WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नव प्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | देश विदेश 4 | अभिव्यक्ति 5 | आस-पास 7 | खेल/ बिजनेस

RNI NO - MPHIN/2020 /81503 जबलपुर, रविवार 2 नवंबर 2025, शुक्ल पक्ष- द्वादशी, विक्रम संवत -2082, वर्ष -5 अंक - 90 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

जन-जन के सहयोग से विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट नव मध्यप्रदेश निर्माण की आधारशिला : सीएम यादव

सीएम यादव ने प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर विजन डाक्यूमेंट का किया विमोचन

प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत @2047 के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा यह डॉक्यूमेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की ओंकारेश्वर अभयारण्य विकसित करने की घोषणा

मुख्यमंत्री ने एमपी ई-सेवा पोर्टल, इन्वेस्ट एमपी 3.0 पोर्टल, वॉश ऑन व्हील्स मोबाइल ऐप का किया लोकार्पण

रीवा-नई दिल्ली फ्लाईट और रीवा-इंदौर फ्लाईट के लिए सौंपे गए अनुबंध-पत्र

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज एक नवम्बर को हम न केवल प्रदेश की उपलब्धियों का उत्सव मना रहे हैं, बल्कि आने वाले 25 वर्षों के कार्यकाल की शुरूआत भी कर रहे हैं। गत दो वर्ष विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की आधारशिला रखने वाले रहे। इन वर्षों में प्रदेश ने विरासत से विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, निवेश प्रोत्साहन, आधारभूत ढांचे के विस्तार में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की। आने वाले समय में यही गति प्रदेश को देश के अग्रणी औद्योगिक केन्द्र के रूप में स्थापित करेगी। इस ऐतिहासिक अवसर पर हम विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट, राष्ट्र को समर्पित कर रहे हैं। जन-जन के सहयोग से विकसित यह दस्तावेज नव मध्यप्रदेश निर्माण की आधारशिला है, जो अगले 2 दशकों के लिए सशक्त आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश का रोडमैप भी है। यह डाक्यूमेंट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रवीन्द्र भवन में प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर ÷अभ्युदय मध्यप्रदेश÷ के अंतर्गत विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन किया। साथ ही ओंकारेश्वर अभयारण्य विकसित करने की घोषणा भी की, इसमें खण्डवा और देवास जिले के क्षेत्र शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा विकसित ÷वॉश ऑन व्हील्स÷ मोबाइल ऐप का लोकार्पण भी किया। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने डॉक्यूमेंट के उद्देश्यों तथा विभिन्न बिन्दुओं पर प्रेजेन्टेशन दिया। डॉक्यूमेंट पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

2 वर्षों में प्रदेश का चौथा हवाई अड्डा उज्जैन में लेगा आकार

उज्जैन हवाई अड्डे से श्रद्धालुओं को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री श्री नायडू की उपस्थिति में उज्जैन हवाई अड्डे के विकास अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए। गत लगभग 2 वर्ष में प्रदेश को चौथा हवाई अड्डा मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि इस अवधि में रीवा, सतना और दतिया एयरपोर्ट ने भी आकार लिया है। उज्जैन हवाई अड्डा बनने से श्रद्धालुओं को विशेष लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन सहित अब ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित : सीएम यादव

प्रदेश के 4 जनजातीय बहुल जिलों को मिलेगा 6 मोबाइल मेडिकल यूनिट का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 6 मोबाइल मेडिकल यूनिट को दिखाई झंडी

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित है। मध्यप्रदेश में जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य उत्थान की दिशा में उत्कृष्ट प्रयास जारी हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केन्द्र सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में प्रदेश में चल रही स्वास्थ्य सेवाओं के विकास एवं विस्तार की सभी गतिविधियों को नई दिशा मिल रही है। इस अभियान में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदेश के दूरस्थ जनजातीय ग्रामों से जोड़ने के उद्देश्य से चलित चिकित्सालय इकाई - मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) का संचालन किया जा रहा है। यह प्रदेश के सभी जनजातीय अंचलों के समग्र एवं संतुलित विकास सहित स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की एक नई पहल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से स्वास्थ्य विभाग द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 6 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि प्रदेश में पहले ही प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) के अंतर्गत 21 जिलों के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को घर पर निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही है। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश के 4 जनजातीय बहुल जिलों यथा आलीराजपुर, खंडवा, धार और झाबुआ में 6 अतिरिक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट्स भेजी जा रही हैं। इस प्रकार अब प्रदेश में कुल 72 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेडिकल मोबाइल यूनिट के संचालन से जनजातीय बहुल गांवों में कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित नहीं रहेगा। इनसे ऐसे ग्रामों तक भी चिकित्सा सुविधा पहुंचेंगी, जहां 10 किलोमीटर के दायरे में कोई भी स्थायी स्वास्थ्य केंद्र या शासकीय चिकित्सालय नहीं है।

मध्यप्रदेश, विकास-सुशासन और संस्कृति तीनों ही क्षेत्रों में है अग्रणी : सीएम यादव

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश प्राचीन काल से ही समृद्ध रहा है। यहां की संस्कृति, शिल्प कला, ऐतिहासिक चरित्र, विरासत इत्यादि देख, सभी को गर्व की अनुभूति होती है। प्रदेश के गठन से लेकर अब तक की यात्रा को देखने पर गर्व होता है हमारा प्रदेश विकास, सुशासन और संस्कृति तीनों ही क्षेत्रों में अग्रणी बन चुका है। पिछले दो दशकों में हुई विकास और जनकल्याण की गतिविधियों ने राज्य को प्रगति के नए सौपान पर पहुंचाया है। आना वाला समय प्रदेशवासियों के सामूहिक परिश्रम, नवाचार और संकल्प का होगा। विकसित मध्यप्रदेश 2047 का लक्ष्य केवल शासन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक का संकल्प है। यह ऐसा ध्येय है, जिसमें हर गांव, हर शहर और व्यक्ति की भागीदारी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर मध्यप्रदेश के वैभवशाली अतीत, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उज्जवल भविष्य को चित्रों व छाया चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करती प्रदर्शनी ÷अभ्युदय मध्यप्रदेश÷ का लाल परेड ग्राउंड पर शुभारंभ कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद मीडिया से चर्चा में उक्त विचार व्यक्त किए।

भारतीय संस्कृति के तेजस्वी प्रतीक हैं महाकवि कालिदासः सीएम यादव

महाकवि कालिदास की रचनाएं भारतीय संस्कृति और साहित्य की हैं अनमोल धरोहर

अवंतिका में जन्मे महाकवि कालिदास भारत ही नहीं, विश्व के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों में शामिल

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर उज्जैन को मिली एयरपोर्ट और हवाई मार्ग की अनुपम सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का वर्चुअल शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कालिदास समारोह हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, साहित्य और परम्पराओं के विविध अलंकारों में से एक सबसे उज्वल और प्रदीप्तमान पुंज है। यह आज भी भारतीय ज्ञान, कला और संवेदना की गहराइयों का उदात्त प्रकटीकरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकवि कालिदास की लेखनी में न केवल शब्दों का वैभव है, बल्कि उसमें भारतीय आत्मा की झलक भी है। कालिदास समारोह हमारे गौरवशाली सांस्कृतिक इतिहास का उत्सव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकवि कालिदास भारतीय साहित्य के ऐसे अमर हस्ताक्षर हैं, जिनकी कृतियां संस्कृत साहित्य के लिए अमूल्य निधि होने के साथ-साथ सम्पूर्ण भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना की संवाहक भी हैं। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास ने अपनी कल्पनाशीलता, गहन संवेदनशीलता और अद्भुत लेखन कौशल से भारतीय कथा-कला और काव्य साहित्य को धन्य किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उज्जैन में आयोजित 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का वर्चुअल शुभारंभ कर संबोधित किया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकवि कालिदास की प्रसिद्ध कृतियों - अभिज्ञान शाकुंतलम्, मेघदूतम, कुमारसंभव, रघुवंश, ऋतुसंहार और विक्रमोर्वशीयम् का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी ग्रंथ साहित्यिक सौंदर्य के प्रतीक हैं। इनमें भारतीय जीवन दर्शन, प्रकृति और प्रेम की गहन अभिव्यक्ति निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन न केवल महाकाल की नगरी है, बल्कि कालिदास जैसे युगप्रवर्तक और काव्य साधक कवि की कर्मभूमि भी रही है। यहां आयोजित कालिदास समारोह का हर वर्ष बढ़ता गौरव मध्यप्रदेश सहित पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार महाकवि कालिदास के नाम पर आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक आयोजन को और अधिक भव्यता और व्यापकता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साहित्य और संस्कृति समाज को एकजुट करने का माध्यम हैं। हमारा उद्देश्य कालिदास समारोह से नई पीढ़ी को भारतीय साहित्य, संस्कृति और शास्त्रीय परंपराओं से जोड़ना है। समारोह में महाकवि कालिदास की कृतियों पर आधारित नाट्य मंचन, वाद्य-संगीत प्रस्तुतियां, वाद-विवाद प्रतियोगिता और सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जा रहा है। 67वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का यह आयोजन न केवल साहित्यकारों और कलाकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति के सनातन वैभव को आधुनिक युग में पुनर्स्थापित करने का एक महत्त्वपूर्ण सेतु भी सिद्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि उज्जैन की धरती अपने आशीर्वाद से परम प्रतिष्ठा दिलाती है। कवि कालिदास का ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एकादशी पर वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़, 10 श्रद्धालुओं की मौत

अमरावती(वार्ता)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मच गई, जिसमें 10 श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई घायल हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर भगदड़ से जुड़े डरा देने वाले वीडियो सामने आए हैं।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार (01 नवंबर) को एकादशी पर भारी भक्तों की भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें दस श्रद्धालुओं जान चली गई, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिनका

भगदड़ के बाद भयावह वीडियो आए सामने

इस बीच मंदिर के अंदर से कई भयावह वीडियो सामने आई, जिसमें भगदड़ में बेहोश हुए लोगों को सीपीआर देने के लिए श्रद्धालु दौड़ते देखे गए। भगदड़ के वीडियो में लोग भीड़ में बेहोश हुए लोगों की मदद के लिए दौड़ते हुए दिखाई दिए। कुछ वीडियो में लोग एक-दूसरे को भीड़ से निकालकर उनकी मदद करते भी देखे गए।

सोशल मीडिया पर भगदड़ के बाद कई विचलित करने वाले दृश्य सामने आए है, जिनको यहां दिखाना मुमकिन नहीं है। वीडियो में लोग एक संकरे रास्ते की पटरियों पर फंसे हुए और भगदड़ से बचने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे थे। भगदड़ के दौरान कई महिलाएं पूजा की टोकरियां लिए मदद के लिए चीखती-चिल्लाती दिखाई दीं।

इंदौर के केमिकल गोडाउन में दो महिलाएं जिंदा जली

एकादशी पर पूजा के लिए जलाए गए दीपक से आग भकी; बच्चों ने भागकर जान बचाई

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर में एक गोडाउन में आग लग गई। जिसमें दो महिलाएं जिंदा जल गई। दोनों के शव बाहर निकाल लिए गए है। फिलहाल गोडाउन में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। मौके पर सर्चिंग जारी है। आग लगने की ये घटना शनिवार शाम को राऊ के नजदीक आरआर कैट रोड पर स्थित एक गोडाउन की है। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की गायिां मौके पर पहुंची। जिस गोडाउन में आग लगी वहां थिनर स्टोर होता था। आग शाम ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान आखिरकार उसका पुराना रक्तचरित्र सामने आ ही गया। मोकामा विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार के दौरान बाहुबली नेताओं के पंटरों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। जिसमें जनसुराज पार्टी के एक समर्थक की मौत हो गई। इस सीट पर बाहुबलियों का दबदबा रहा है। ऐसे में वहां हिंसा की आशंका थी जो अंततः सही साबित हुई। बिहार में और भी दर्जनों सीटें है जहां आपराधिक छवि वाले नेताओं को विभिन्न पार्टियों ने चुनाव मैदान में उतारा है। वहां भी ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो तो कोई ताज्जुब नहीं होगा।

अगले 25 साल के नए युग का हो रहा सूर्योदय

विकास की ऊंचाइयों को छुएगा छत्तीसगढ़, माओवाद मुक्त होगा हिंदुस्तान का हर कोना

पीएम मोदी ने किया छग राज्योत्सव का शुभारंभ

नवप्रदेश ब्यूरो/ नवारायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज छत्तीसगढ़ राज्य अपने गठन के 25 साल पूरा कर लिया है।हमारा छत्तीसगढ़ नक्सलवाद और माओवाद से मुक्त हो रहा है। मैं देशवासियों को गारंटी देता हूं कि वह दिन दूर नहीं जब हमारा छत्तीसगढ़, हमारा हिंदुस्तान का हर कोना माओवादी आतंक से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है।

पहले डॉक्टरों और टीचरों को बम से उड़ा दिया जाता था

पीएम मोदी ने कहा, नक्सलवाद की वजह से अपने 50-55 साल तक जो कुछ झेला वो पीड़ादायक है। कुछ लोग संविधान की किताब का दिखावा करते हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर घडि?ली आंसू बहाते हैं। उन्होंने दशकों तक आप लोगों के साथ अन्याय किया है। मोदी ने कहा कि नक्सलियों के कारण सड़कों से आदिवासी वंचित रहे। बच्चों को स्कूल नहीं मिले। बीमारों को अस्पताल नहीं मिले। लोगों को बम से उड़ा देते थे। डॉक्टरों और टीचरों को बम से उड़ा दिया जाता था। मोदी ने कहा कि दशकों तक देश में शासन करने वाले आप लोगों को आपके हाल पर छोड़कर, एयर कंडीशन कमरों पर बैठकर अपने जीवन का आनंद लेते थे। मोदी अपने आदिवासी भाई बहनों को हिंसा के खेल में बर्बाद होने के लिए नहीं छोड़ सकता।

जहां बिजली नहीं आती थी, वहां आज इंटरनेट तक पहुंचा

मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों का जीवन आसान बने। आपकी जीवन से मुश्किलें कम हो, इसके लिए सरकार काम कर रही है। जहां बिजली नहीं आती थी, वहां आज इंटरनेट तक पहुंच चुका है। कुछ परिवारों के लिए गैस सिलेंडर सपना होता था। अमीर के घर सिलेंडर आता था तो गरीबों को लगता था कि मेरे घर यह कम आएगा। गैस कनेक्शन आज घर-घर तक पहुंच गया है। अब पाइप के जरिए घर-घर तक सस्ती गैस पहुंचाने का संकल्प लिया है।

25 साल के नए युग का हो रहा सूर्योदय

पीएम मोदी ने कहा, छत्तीसगढ़ के 25 साल सफर का साक्षी रहा हूं। 25 साल का एक काल खंड पूरा हुआ है। आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। मेरा एक काम करेंगे आप लोग, सब लोग बताइए। अपना फोन निकालिए और फ्लैश जलाइए। ये अगले 25 साल के सूर्योदय का उदय हो गया है। आपकी हथेली में नए सपनों का सूरज उग गया है। मोदी ने कहा कि नई रोशनी नजर आ रही है। यही रोशनी आपके भाग्य का निर्माण करने वाली है।

छत्तीसगढ़ विकास की ऊंचाइयों को छुएगा

मोदी ने कहा, साथियों 25 साल पहले अटल जी की सरकार ने छत्तीसगढ़ को आपको सौंपा था। यह भी संकल्प लिया गया कि छत्तीसगढ़ विकास की ऊंचाइयों को छुएगा। छत्तीसगढ़ ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सशक्त भारत के निर्माण में सरदार पटेल की अहम भूमिकाः कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल

सीयू में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर एकता दौड़ का आयोजन, भारतीय ज्ञान परंपरा पर 3 दिवसीय कार्यशाला का समापन

बिलासपुर/नवप्रदेश। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नैक से ए++ ग्रेड प्राप्त विशिष्टता से परिपूर्ण विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती, राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। विश्वविद्यालय के रजत जयंती प्रांगण में सुबह 7.30 बजे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. रेखा पटेल, सरदार पटेल विश्वविद्यालय वल्लभविद्या नगर, गुजरात ने कहा कि हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। सरदार पटेल ने भारत को उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम की सीमाओं तक एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। सरदार वल्लभभाई पटेल के लिए राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलपति प्रोफेसर श्री चक्रवाल ने कहा कि आज जो भारत हम देख रहे हैं उसकी नींव लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने रखी थी। उन्होंने भारत को एकीकृत करने में अहम भूमिका निभाते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रीय एकता की नई मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश को विभाजित करने वाली शक्तियों का सख्ती के साथ मुकाबला किया। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके समर्पण एवं सम्मयक दृष्टि के लिए हम सभी उनके कृतज्ञ हैं। इससे पूर्व प्रारंभ में दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती, सरदार पटेल एवं बाबा गुरु घासीदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुआ। नन्हे पौधे एवं पुस्तक भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने स्वागत भाषण दिया। विवि के तरंग बैंड ने एकता गीत की प्रस्तुति दी। एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आयोजित विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये।

अतिथियों द्वारा एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। मंचस्थ अतिथियों में प्रो. नीलांबरी दवे, पूर्व कुलपति, सौराष्ट्र विवि, राजकोट गुजरात एवं सुरेश भाई पटेल मौजूद रहे। राष्ट्रीय एकता रैली को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने झंडी दिखाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोहिनी गौतम ने एवं धन्यावद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अभय एस. रणदिवे ने किया। इस आयोजन में विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्षगण, शिक्षकगण, अधिकारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। भारतीय ज्ञान परंपरा पर 3 दिवसीय कार्यशाला का समापन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजे रजत जयंती सभागार में विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यारा, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय (29-31 अक्टूबर,) राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयनः एक गुणात्मक परिवर्तन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनोद तिवारी, निदेशक संजीवनी अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ने पर बल

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समाज, संस्कृति और परंपरा के अनुरूप व्यक्तित्व विकास पर बल दिया गया है। इसके माध्यम से छात्रों में कौशल विकास और आत्मनिर्भरता का भाव पैदा होगा। इससे पूर्व समापन कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती एवं बाबा गुरु घासीदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुआ। इसके पश्चात मंचस्थ अतिथियों का नन्हें पौधे से स्वागत तथा अंग वस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। स्वागत उद्बोधन कार्यशाला की समन्वयक प्रो. सीमा राय, समन्वयक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास विश्वविद्यालय इकाई, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने दिया।

न्यूज गैलरी

देसी दिवाज ग्रुप की महिलाओं ने किया आंवला नवमीं पूजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। देसी दिवाज़ ग्रुप की व्यवस्थापिकाएं सुनैना नायर और श्वेता पटेल द्वारा बिलासा ताल में ग्रुप की महिलाओं के साथ मिलकर आंवला नवमी पर पूजन किया एवं सभी महिलाओं ने एक दूसरे को सुहाग सामग्री भी बांटी। मान्यता है कि इस दिन आंवला के वृक्ष में विष्णु भगवान वास करते हैं और आंवला के वृक्ष से अमृत वर्षा होती है। जिसके पश्चात सभी ने विभिन्न प्रकार के भोजन व प्रसाद ग्रहण कर पकवानों का आनन्द लिया। जिसके बाद विभिन्न प्रकार के खेल कूद का भी लुत्फ़ उठया। ग्रुप में माताओं के साथ आए बच्चों को भी आंवला नवमी का महत्व बताया गया। ग्रुप से रश्मि चौबे, रेखा वर्मा, मधुलिका यादव, लीना नायडू, पिंकी कश्यप, सपना भोसले,कंचन अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, लक्ष्मी, गीतांजलि अग्रवाल, प्रियंका बर्नवाल, भारती रावत, ललिता उपस्थित रहीं।

तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय ने मिलकर दी थी सुपारी, आरोपियों से कट्टा-पिस्टल बरामद

गोलीकांड मामले में कांग्रेस नेता अकबर सहित चार आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर में राजनीतिक वर्चस्व और जमीन के बिजनेस की लड़ाई के चलते कांग्रेस नेता की हत्या की साजिश रची गई। अब पुलिस ने कांग्रेस नेता अकबर खान को गिरफ्तार किया है। वहीं हत्या कराने के लिए कांग्रेस नेता तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय ने सुपारी दी थी। पुलिस नागेंद्र राय के साथ ही तारकेश्वर पाटले की भी तलाश कर रही है। हालांकि दोनों पुलिस पकड़ से बाहर है। इधर पुलिस ने हमले के मास्टर माइंड विश्वजीत अनंत, उसके भाई समेत चार आरोपियों से पिस्टल-कट्टा बरामद किया है।

इस मामले में अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दरअसल, मस्तूरी जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह के कार्यालय में 28 अक्टूबर की देर शाम नकाबपोश शूटरों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई थी। इस फायरिंग के दौरान मौके पर मौजूद मुड़पार के पूर्व सरपंच चंद्रकांत सिंह के हाथ और एक रिश्तेदार राजकुमार सिंह उर्फ 'राजू सिंह' के पैर में दो गोलियां लगीं थी। वहीं एक गोली पीठ को छूकर निकल गई। बचाव में जब नीतेश ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से रिटर्न फायर किया, तो शूटर भाग निकले। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायल चंद्रकांत सिंह 55 वर्ष और राजू सिंह 45 वर्ष को अपोलो अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर सभी शूटर समेत मास्टर माइंड विश्वजीत को पकड़ लिया। जिसके बाद इन आरोपियों से पूछताछ की गई। कांग्रेस नेता नीतेश की हत्या की साजिश की जांच और आरोपियों से पूछताछ के लिए चार आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया। इस दौरान सभी से लगातार पूछताछ की गई। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली है। गोलीकांड से पहले आरोपी विश्वजीत की श्रीकांत वर्मा मार्ग पर कांग्रेस नेता अकबर खान के साथ मीटिंग हुई थी, जिसका पुलिस ने सीसीटीवी वीडियो भी जब्त किया है।

कांग्रेस नेता तारकेश्वर और नागेंद्र भी साजिश में शामिल

एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि, गिरफ्तार आरोपियों, कांग्रेस नेता तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय के साथ करीबी संबंध रहा है। इसी आधार पर पुलिस ने उनसे पूछताछ की और कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। जिसमें कांग्रेस नेता नीतेश की हत्या की साजिश में तारकेश्वर पाटले और नागेंद्र राय के शामिल होने की जानकारी मिली है। इस घटना के मास्टर माइंड विश्वजीत को तारकेश्वर पाटले ने शूटर्स को देने के लिए एक लाख रुपए उपलब्ध कराए। जबकि, नागेंद्र राय भी हत्या की प्लानिंग में शामिल रहा।

खारंग जल संसाधन संभाग ने बढ़ाया सिंचाई क्षमता का दायरा

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में वर्ष 2000 से 2025 तक के पच्चीस वर्षों में खारंग जल संसाधन संभाग ने प्रदेश की जल संसाधन विकास योजनाओं में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस अवधि में संभाग ने जल संरक्षण, सिंचाई क्षमता विस्तार एवं कृषि विकास की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। जिले में पिछ्ले 25 वर्षों में कुल 31 जलाशय, 08 व्यपवर्तन योजनाएँ, 01 उद्वहन योजना तथा 72 एनीकट एवं स्टॉपडेम का सफल निर्माण किया गया। इन परियोजनाओं से कुल 33 हजार 795 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता सृजित हुई। खरीफ मौसम में 23 हजार 287 हेक्टेयर, रबी मौसम में 10 हजार 508 हेक्टेयर कृषि भूमि तक सिंचाई पहुंची। जल वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 72 नहरों का निर्माण किया गया जिसकी कुल लंबाई 192 किलोमीटर है। निर्मित संरचनाओं से भू-जल स्तर में सुधार एवं वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहन मिला है। संभाग की प्रमुख उपलब्धि खारंग वृहद सिंचाई योजना है। इस योजना से अकेले ही 8 हजार 300 हेक्टेयर खरीफ सिंचाई क्षमता तथा 7 हजार 500 हेक्टेयर रबी सिंचाई क्षमता का सृजन हुआ है। इस परियोजना ने क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को नई दिशा प्रदान की तथा किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से बहुफसलीय खेती को बढ़ावा मिला, जिससे कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में निरंतर वृद्धि हुई।

गेवरा और कुसमुण्डा जैसी खदानें राज्य की अपार संभावनाओं का प्रतीकः जयकुमार

■ एसईसीएल में '51वां कोल इंडिया स्थापना दिवस' व '25वां छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस' मनाया गया

बिलासपुर/नवप्रदेश। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय, बिलासपुर में 1 नवंबर को '51वां कोल इंडिया स्थापना दिवस' एवं '25वां छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक तकनीकी (संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार एवं विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार रहे। इस अवसर पर एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न विभागाध्यक्ष, श्रमसंघ प्रतिनिधि, महिला कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं छत्तीसगढ़ राज्य के सीधे, सरल, मिलनसार निवासियों के बलबूते चहुमुखी विकास कर रहा है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ राज्य के विकास में एसईसीएल का प्रमुख योगदान है । गेवरा और कुसमुण्डा जैसी विश्व की प्रमुख खदानें इसी छत्तीसगढ़ की धरती पर स्थित हैं, जो इस राज्य की अपार संभावनाओं का प्रतीक है। एसईसीएल दवारा छत्तीसगढ़ में कोयला उत्पादन के साथ-साथ यहाँ के निवासियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, मुलभूत सुविधाओं के लिए विविध कार्य किए जाते है। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित उपस्थित विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों ने शहीद स्मारक, डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा तथा 'खनिक प्रतिमा' पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा कोल इंडिया ध्वज फहराया गया।

राज्य की प्रगति में अहम भूमिका

इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार एवम विशिष्ट अतिथि निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार एसईसीएल ने कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ राज्य की विकास यात्रा पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कोल इण्डिया एवम छत्तीसगढ़ अपने स्थापना काल से ही देश एवम प्रदेश की प्रगति में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं, जहाँ कोल इण्डिया अपने स्थापना काल से ही देश को उर्जा आपूर्ति कर रहा है।

पालना सहायिका के रिक्त पद पर आवेदन 17 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकंडा अंतर्गत नगर निगम के वार्ड क्र 68 गुरू घासीदास विवि के पास दैहान पारा छोटी कोनी में पालना सहायिका के 1 रिक्त पद पर 3 नवम्बर से 17 नवम्बर तक आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका 17 नवम्बर तक कार्यालय में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से आवेदन कर सकती है। आवेदन के संबंध में अधिक जानकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकण्डा के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

करमा नर्तक दलों ने दी मनमोहक नृत्यों व गीतों की प्रस्तुति

बिलासपुर/नवप्रदेश। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जिल में 1 अक्टूबर से 15 नवंबर तक करमा महोत्सव मनाया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत विकासखण्ड कोटा में विकासखण्ड स्तरीय करमा प्रतियोगिता आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 6 नर्तक दलों ने भाग लिया एवं उनके द्वारा मनमोहक करमा नृत्य एवं करमा गीतों की प्रस्तुति दी गई। जनजातीय लोक गायकों (गीतों) का प्रतिनिधित्व एवं जनजातीय समुदायों में प्रचलित परम्परागत

वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिता में सम्मिलित निर्णायक मंडल द्वारा जीवन ज्योति करमा दल परसापानी को प्रथम स्थान एवं द्वितीय स्थान बैगिन-बैगा करमा दल कुरदर को दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष कोटा सूरज साधेलाल भारद्वाज, जनपद पंचायत कोटा उपाध्यक्ष सरोज दुर्गेश साहू, मनोहर सिंह राज द्वारा की गई। उक्त कार्यक्रम में विभाग की ओर से सुश्री आकांक्षा पटेल सहायक संचालक, डॉ. जी. एस. अश्विनी कुमार प्राचार्य प्रयास आवासीय विद्यालय बिलासपुर, पवन कुमार शर्मा, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, सुशील कुमार मिश्रा, सेवानिवृत्त क्रीडा अधिकारी, नोडल अधीक्षक मो. इकबाल, छात्रावास अधीक्षक एवं समस्त अधीक्षकगण सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय संस्कृति उनके पारंपरिक रीति-रिवाज और कला संस्कृति को बढ़ावा देना और संरक्षित करना है।

प्रतिभागियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बिलासपुर/नवप्रदेश। 31 अक्टूबर को बिलासपुर मंडल के तत्वावधान में एनईआई सभागार में 'सुर-संगम 2025' अंतर मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता (संगीत) का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बिलासपुर मुख्यालय सहित रायपुर, नागपुर एवं बिलासपुर मंडल से सुर एवं संगीत की विभिन्न विधाओ के प्रतिभागी शामिल हुये । इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय लोक संगीत की समृद्ध परंपराओं को प्रोत्साहन देना और नई पीढ़ी को इसके संरक्षण हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल एवं मंडल सेक्रो

बिलासपुर मंडल में 'सुर-संगम 2025' का आयोजन

अध्यक्षा भगवती खोईवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात इस प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत की विभिन्न श्रेणियों में पारंपरिक लोक धुनों और शास्त्रीय वादन जैसी अनेक विधाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का अद्भुत परिचय दिया, जिससे भारतीय लोक कलाओं की विविधता और जीवंतता को दर्शाया गया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं के चयन के लिए 3 सदस्यीय निर्णायक मंडल बनाए गए थे जिसमें डॉ. शिवनारायण मौरे, विकास डिकसेना, तथा मनीषा श्रीवास शामिल थे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल एवं विशिष्ट अतिथि भगवती खोईवाल के मुख्य आतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया गया।

ठेकेदार पर घर में घुसकर हमला सिर पर ईंट से किया वार

बिलासपुर/नवप्रदेश। निर्मला सदन, विनोबा नगर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब शैलेष अग्रवाल और उसके बेटे शिवम अग्रवाल ने ठेकेदार बृजेश अग्रवाल के घर में घुसकर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित ने बताया कि दोनों आरोपी जबरदस्ती रेल्वे से मिले आर्बिट्रेशन के पैसे की मांग कर रहे थे। मना करने पर गाली-गलौज करते हुए दोनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और सिर पर आधा ईंट मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। घटना 23 अक्टूबर की सुबह करीब 10:30 बजे की है। घायल ठेकेदार के बेटे विनायक अग्रवाल और पड़ोसी आशीष सक्सेना ने बीच-बचाव कर किसी तरह उसकी जान बचाई। पीड़ित ने बताया कि उसकी फर्म प्रोप्राइटरशिप है, जिसमें कोई साझेदार नहीं है, बावजूद इसके आरोपी अनुचित रूप से पैसों की मांग कर धमकाने लगे थे।पुलिस ने बीएनएस के तहत गम्भीर धाराओं में अपराध दर्ज की है। जांच अधिकारी एएसआई संजय शर्मा ने बताया कि मामले में ठोस साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

कार्यशाला निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष हुए शामिल, डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का संयुक्त आयोजन

चरित्र निर्माण से ही समग्र विकास और आत्मनिर्भर बनेंगे विद्यार्थीः प्रो गोयल

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास तथा विकसित भारत में आत्मनिर्भर भारत की भूमिका विषय पर चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हो गया तीन दिनों तक विद्वानों ने पंचकोश- अननमय,मनोमय, आनंदमय, विज्ञानमय, प्राणमय कोश तथा चरित्र निर्माण तथा आत्मनिर्भर भारत विषय पर अपने विचार रखें। यह आयोजन डॉ सी वी रमन विश्वविद्यालय एवं शिक्षा एवं संस्कृति उत्थान न्यास के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर विजय गोयल ने कहा कि जहां तक विषय की बात है विषय बहुत ही प्रासंगिक है। हमें विषय से यह बात समझने की जरूरत है ,कि जिस छात्र का चरित्र निर्माण हो गया उसका हर कार्य हो जाएगा और कुछ करने की आवश्यकता ही नहीं है। चरित्र निर्माण से ही समग्र विकास होता है और वह खुद ही आत्मनिर्भर बन जाएगा । उन्होंने कहा कि चरित्र निर्माण का पहला काम घर से होता है। इसलिए घर का माहौल सबसे अच्छा होना चाहिए । परिवार में सबसे अच्छी शिक्षा दी जानी चाहिए । इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक प्रावधानों के बारे में जानकारी सभी से साझा की। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के छत्तीसगढ़ी संजोही, शोध एवं सृजन पीठ, इनक्यूबेशन, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, का भ्रमण भी किया उन्होंने सभी केदो की प्रशंसा भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि हम शिक्षक एक विद्यार्थी नहीं एक पीढ़ी का निर्माण करते हैं।

भारत का विज्ञान दुनिया का उन्नत विज्ञानः शर्मा

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित न्यास के क्षेत्र संयोजक डा. प्रफुल्ल शर्मा उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति को दुनिया मनेगी। अभी संघर्ष की स्थिति है, इस संघर्ष में हमें मिलकर संघर्ष करना है । उन्होंने कहा कि भारत का विज्ञान दुनिया का उन्नत विज्ञान है। इस बात को ऋषि मुनियों ने प्रमाणित किया है। आज हम समस्या की चर्चा ना करके समाधान की दिशा में चर्चा करें तो हम भारत को विश्व गुरु बनाएंगे।

न्यूज गैलरी

भगवान भोलेनाथ से मांगी भारत की जीत की दुआ

भोपाल में युवाओं ने की विशेष पूजा-अर्चना, महिला विश्व कप फाइनल से पहले की शिव स्तुति

भोपाल/नवप्रदेश। महिला क्रिकेट विश्व कप के फाइनल से पहले राजधानी भोपाल में भारतीय टीम की जीत के लिए विशेष पूजा-अर्चना की गई। शनिवार को सेवा संकल्प युवा संगठन के युवाओं ने शीतलदास की बगिया स्थित भोलेनाथ मंदिर में अभिषेक किया और भारत की विजय की कामना की। संगठन के अध्यक्ष प्रकाश मालवीय ने बताया कि, ÷हमारे संगठन ने इससे पहले भी पूर्व विश्व कप के दौरान भोलेनाथ का अभिषेक किया था, तब भारत को विजय प्राप्त हुई थी। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज भी हमने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की है कि कल भारत की महिला टीम दक्षिण अफ्रीका को हराकर देश का तिरंगा विश्व विजेता के रूप में लहराए। अभिषेक के दौरान युवाओं ने जयघोष के साथ देश की टीम के लिए मंगलकामनाएं कीं और मंदिर परिसर में शिव स्तुति का पाठ भी किया। इस अवसर पर संगठन के संयोजक चेतन भार्गव, विवेक साहू, राजेश गोयल, यश जैन, विवेक श्रीवास्तव और अन्य श्रद्धालुओं ने भी अभिषेक किया।

कॉलेज में 'हेलोवीन' सेलिब्रेशन पर एबीवीपी का विरोध

कहा- भारतीय संस्कृति के खिलाफ ऐसे आयोजन, बीएसएसएस में रद्द हुआ कार्यक्रम

भोपाल/नवप्रदेश। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) भोपाल महानगर के भेल भाग ने बीएसएसएस कॉलेज परिसर में आयोजित ÷हेलोवीन सेलिब्रेशन÷ का विरोध करते हुए इसे भारतीय संस्कृति और सभ्यता के विपरीत बताया। परिषद ने कॉलेज प्रशासन से मांग की कि इस तरह के पाश्चात्य और असंस्कारी कार्यक्रमों पर तत्काल रोक लगाई जाए। अभाविप पदाधिकारियों ने कहा कि कॉलेज में विद्यार्थी भूत-प्रेत और राक्षसों के वेश में सजकर नृत्य एवं अन्य गतिविधियां कर रहे थे, जो भारतीय संस्कारों के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे आयोजन युवाओं में पाश्चात्य संस्कृति की अंधी नकल को बढ़ावा देते हैं और शैक्षणिक माहौल को भी दूषित करते हैं। अभाविप भेल भाग संयोजक प्रतीक द्विवेदी ने कहा कि ÷आज बीएसएसएस कॉलेज में 'हेलोवीन डे' मनाया जा रहा था, जिसके विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रदर्शन किया। कॉलेज में छात्रों को मृतक बनाकर और असंस्कारी कार्यक्रम कराए जा रहे थे, जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। यह हमारी संस्कृति के विरुद्ध है। कॉलेज प्रशासन ने हमें आश्वासन दिया है कि भविष्य में ऐसे पाश्चात्य संस्कृति से प्रेरित किसी भी आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी। विवाद बढ़ने के बाद कॉलेज प्रशासन ने अभाविप की आपत्तियों को संज्ञान में लेते हुए कार्यक्रम को तत्काल निरस्त करने का निर्णय लिया। साथ ही, प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में इस तरह के आयोजनों की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

राजस्थान गए एमपी के 4 लोगों की मौत, 12 घायल

ट्रॉले ने टेम्पो को मारी थी टक्कर, फसल काटने खेत पर जा रहे थे

बीकानेर/भोपाल/नवप्रदेश। राजस्थान के फलोदी-बीकानेर नेशनल हाईवे-11 पर सड़क किनारे खड़े टेम्पो को ट्रॉले ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में मध्य प्रदेश के दंपती समेत चार लोगों की मौत हो गई। 12 लोग घायल हैं। इनमें तीन बच्चे, 6 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं। हादसा शुक्रवार रात 10 बजे हुआ था। ड्राइवर को छोड़कर सभी मृतक और घायल रतलाम के रहने वाले हैं। थानाधिकारी भंवराराम ने बताया- टीना (12) पुत्री राय सिंह और जगदीश (32) पुत्र रामजी की मौके पर ही मौत हो गई। पूजा (30) पत्नी जगदीश ने जोधपुर रेफर के दौरान ओसियां के पास दम तोड़ दिया। टेम्पो ड्राइवर गोपीलाल पुत्र बंशीलाल की जोधपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद आस-पास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के को-ऑर्डिनेटर भंवरलाल कुमावत समेत दो एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को फलोदी जिला अस्पताल पहुंचाया गया। फलोदी जिला अस्पताल में पीएमओ डॉ.अभिषेक अग्रवाल, पूर्व पीएमओ डॉ. प्रेमप्रकाश सुथार और डॉ. कैलाश जोशी सहित पूरा नर्सिंग स्टाफ घायलों के इलाज में जुट गया। डॉ. अग्रवाल ने बताया- पांच गंभीर घायलों (गोपी लाल, अशोक, बाबूलाल, पूजा और रोशनी) को जोधपुर रेफर किया गया था। इनमें से पूजा की जोधपुर रेफर किए जाने के दौरान ओसियां के पास मौत हो गई। टेम्पो ड्राइवर गोपीलाल निवासी मोटाई (फलोदी) की जोधपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। शेष घायलों में भोला, रामबाई, किंजर, सुगंध, जे राहुल, रोशनी, ममता, अंजना और राहुल शामिल हैं। इनको भी देर रात जोधपुर के एमडीएम हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया।

हम दूरियों को नहीं, दिलों को जोड़ने जा रहे हैं : सीएम यादव

इंट्रा स्टेट एयर सर्विसेज प्रारंभ करने में मध्यप्रदेश बना देश का पहला राज्य

मध्यप्रदेश में पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का हुआ भव्य शुभारंभ

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को मिली विशेष सौगात

हेली सेवा का नियमित संचालन 20 नवम्बर से होगा शुरू

पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा, डिजी यात्रा, फ्लाईब्रेरी, किड्स प्ले ज़ोन और कैट-II ILS प्रणाली से मध्यप्रदेश को मिली विकास की नई उड़ान

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हवाई यात्रा केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक आनंददायक यात्रा का अनुभव भी बने। मध्यप्रदेश अपने नागरिकों और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ संस्कृति की आत्मीयता भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश की दूरियों को नहीं, बल्कि दिलों और अनुभवों को भी जोड़ने जा रहे हैं। हेलीकॉप्टर सेवा पर्यटन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी। यह सुविधा न केवल पर्यटकों और यात्रियों का समय बचायेगी बल्कि उन्हें एक ही यात्रा में आस्था, आध्यात्म, पर्यटन और अनुभव का अद्भुत संगम भी प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को हवाई मार्ग से जोड़कर दूरियां मिटाकर समय बचाना भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में एयर एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवा (इंट्रा स्टेट एयर सर्विसेज) प्रारंभ करने वाला मध्यप्रदेश पूरे देश में पहला और इकलौता राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे परिसर में आयोजित विशेष समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर राज्य के पर्यटन एवं विमानन क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण और नवाचारी सेवाओं सहित राजा भोज एयरपोर्ट में उन्नयन कार्यों का शुभारंभ किया। इन सेवाओं में 'पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा', 'डिजी यात्रा', 'फ्लाईब्रेरी', 'किड्स प्ले ज़ोन' तथा 'कैट-II से कैट-II ILS प्रणाली' जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर्स को हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश में इस सेवा का विधिवत् शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर तथा संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी को बोर्डिंग पास देकर इस हेली पर्यटन सेवा की प्रक्रियागत शुरुआत भी की।

हेलीकॉप्टर सेवा से पर्यटन को मिलेगी नई दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा में प्रारंभिक चरण में तीन प्रमुख पर्यटन सेक्टर्स में हेली सेवाएं चलाई जायेंगी। प्राथमिक चरण में इंदौर से उज्जैन एवं ओंकारेश्वर, भोपाल से मढ़ई एवं पचमढ़ी तथा जबलपुर से बांधवगढ़ एवं कान्हा जैसे प्रमुख स्थलों तक हेलीकॉप्टर उड़ानें संचालित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस सेवा से पर्यटकों को कम समय में अधिक पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। साथ ही, यह सेवा प्रदेश के ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, होम-स्टे व्यवसाय और स्थानीय उत्पादों के विपणन को भी बढ़ावा देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पहल से प्रदेश में हेलीकॉप्टर चार्टर कंपनियों, पर्यटन एजेंसियों, गाइड सेवा प्रदाताओं और महिला स्व-सहायता समूहों को भी नए अवसर प्राप्त होंगे।

तीन सेक्टर में पीएमश्री हेली सर्विस शुरू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा की अनुपम सौगात मिली है। इससे पर्यटकों को पैकेज के रूप में सभी तरह की सुविधाएं मिलेंगी। शुरुआती चरण में प्रदेश के 3 सेक्टर में पीएमश्री हेली सर्विस शुरू की जा रही है। भोपाल से मढ़ई-पचमढ़ी, इंदौर से उज्जैन-ओंकारेश्वर और जबलपुर से कान्हा-बांधवगढ़ सेक्टर पर पर्यटकों को हेलीकॉप्टर सुविधा मिलेगी। अभी भोपाल से सड़क मार्ग से पचमढ़ी जाने में साढ़े 5 घंटे लगते है, लेकिन नई पीएमश्री हेली सर्विस से पर्यटक सिर्फ 45 से 50 मिनट में पचमढ़ी पहुंच सकेंगे। पीएमश्री पर्यटन हेली सर्विस जबलपुर से कन्हा और बांधवगढ़ को लिंक करेगी। इंदौर से उज्जैन और ओंकारेश्वर के बीच हेलीकॉप्टर सेवा से एक दिन में दोनों ज्योतिर्लिंग के दर्शन हो जाएंगे। बाबा महाकाल की नगरी में प्रदेश का 9वां एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पहली बार इंट्रा स्टेट एविएशन सर्विस की शुरुआत हुई है। रीवा से इंदौर के बीच 20 नवंबर से इंडिगो की सीधी हवाई सुविधा मिलेगी। रीवा से दिल्ली हवाई सेवा भी पूर्वी मध्यप्रदेश के लिए अद्भुत सौगात है। हमारी सरकार बनने के बाद प्रदेश में 3 नए एयरपोर्ट रीवा, सतना और दतिया में शुरू किए गए। बदलते दौर में रीवा तेजी से विकास करने वाला नगर बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय उड्डयन मंत्री श्री के. राममोहन नायडू कहते हैं कि मध्यप्रदेश में एविएशन सेक्टर की अपार संभावनाएं हैं। पीएमश्री एंबुलेंस देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश में संचालित हो रही हैं। एयर एंबुलेंस के माध्यम से गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर इलाज उपलब्ध हो रहा है। आयुष्मान कार्ड से नागरिकों को निःशुल्क एयर एंबुलेंस सर्विस सेवा का लाभ ले रहे हैं। गैर आयुष्मान कार्ड धारकों को पेड सर्विस भी दी जा रही है। सतना जैसे छोटे शहरों को भी हवाई सेवा से जोड़ा गया है। यहां से छोटे प्लेन संचालित किए जा रहे हैं। स्थानीय नगर की संरचना के आधार पर एयरपोर्ट का डिजाइन तैयार किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी एयरपोर्ट वास्तुशिल्प के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि उज्जैन में बनने वाले एयरपोर्ट की संरचना में बाबा महाकाल की कृति नजर आएगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 11 साल के शासनकाल में देश में एयरपोर्ट की संख्या दोगुना हो गई है। भारत विमानन क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। दिल्ली के पास जेवर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बन रहा है। शाजापुर में हेलीकॉप्टर की मदद से कृष्ण मृग को पकड़कर गांधीसागर, कान्हा और कूनो अभ्यारण्य में छोड़ा गया है।

संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हमारा पर्यटन विभाग नए आयाम स्थापित कर रहा है। पहले पीएमश्री एंबुलेंस के सफल संचालन के बाद कुछ स्थान ऐसे रह गए थे, जहां आज पीएमश्री पर्यटन हेली सर्विस शुरू की जा रही है। आज मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर विकसित मध्यप्रदेश ञ्च2047 का विजन डॉक्यूमेंट लॉन्च किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पास प्रदेश को आगे ले जाने के लिए अनेक नए आइडिया हैं। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन और नेतृत्व में मध्यप्रदेश नित नई ऊंचाईयों को छू रहा है। इसी कुशल नेतृत्व का अनुसरण कर मध्यप्रदेश पर्यटन भी नित नए आयाम गढ़ रहा है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि यह सेवा केवल हवाई यात्रा को सुगम नहीं बनाएगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन, स्थानीय उत्पादों, और सांस्कृतिक समृद्धि को भी प्रोत्साहित करेगी। अब पर्यटक बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से लेकर सतपुड़ा की गोद में बसे पचमढ़ी और कान्हा-बांधवगढ़ के वन अंचलों तक का सफर कुछ ही घंटों में कर सकेंगे। यह पहल एक ÷आत्मनिर्भर और कनेक्टेड मध्यप्रदेश÷ की ओर अभिनव कदम है। अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटकों के लिए प्रदेश में हवाई यात्रा सुलभ कराने के उद्देश्य से लगभग एक वर्ष पहले पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा का शुभारंभ किया गया था। उसमें अभी तक 10 हजार से अधिक पर्यटक यात्रा कर चुके है। मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से बड़ा राज्य है। इसलिए प्रदेश में एयर कनेक्टीविटी को बढ़ाते हुए पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ किया जा रहा है। देश में इंट्रा स्टेट एयर कनेक्टीविटी स्थापित करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। इस योजना से प्रदेश में पर्यटन को नई गति मिलेगी। मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊँचाई मिली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के फ्लैगऑफ़ के साथ 4 हेलीकॉप्टरों ने उज्जैन के लिए उड़ान भरी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री विष्णु खत्री, विधायक सिंगरौली श्री रामनिवास मेश्राम, श्री राहुल कोठारी, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के चेयरमैन श्री विपिन कुमार एवं अन्य ने भोपाल से उज्जैन के लिए उड़ान भरी। हेलीकॉप्टर पर्यटन सेवा का नियमित संचालन 20 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होगा। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के पर्यटन स्थलों के बीच हवाई संपर्क को सुदृढ़ बनाने लोक-निजी भागीदारी (क्क्क्क) मॉडल के अंतर्गत यह सेवा मध्य प्रदेश के पर्यटन को नई उड़ान देगी। 'पीएमश्री पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा' का संचालन प्रत्येक सेक्टर में सप्ताह में 5 दिन किया जाएगा। सेवा संचालन के लिए सेक्टर-1 में मेसर्स ट्रांस भारत एविएशन तथा सेक्टर-2 और सेक्टर-3 में मेसर्स जेट सर्व एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ 3 वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध किए गए हैं। प्रारंभिक चरण में निजी ऑपरेटर द्वारा प्रत्येक सेक्टर में हेलीकॉप्टर संचालित किए जाएंगे, जिनमें कम से कम 6 यात्री सीटें होंगी।

इन 3 प्रमुख सेक्टरों में होगा संचालन

प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों के मध्य हवाई यात्रा को सुलभ बनाने के लिए 3 सेक्टरों में प्रादेशिक हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाय की जाएगी। चाहे वह महाकाल की नगरी उज्जैन हो, ओंकारेश्वर का दिव्य तट, बांधवगढ़ का जंगली रोमांच हो या पचमढ़ी की शांत वादियाँ, यह सेवा प्रदेश के हर प्रमुख धार्मिक स्थल, राष्ट्रीय उद्यान और ऐतिहासिक धरोहर को एक सूत्र में पिरोती है।

पर्यटन, राज्य की अर्थव्यवस्था का है सशक्त स्तंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को 70वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल एक उत्सव मात्र नहीं, प्रदेश की विकास यात्रा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने 70 वर्षों की इस लंबी यात्रा में अनेक चुनौतियां पार की हैं। अब हमारा लक्ष्य ही नहीं दृढ़ सकल्प भी है कि हम मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर, तकनीक-संपन्न और पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाकर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है, जो अर्थव्यवस्था, संस्कृति और समाज ङ्क तीनों को परस्पर जोड़ता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन हमारे देश और प्रदेश की इकोनॉमी का इकलौता ऐसा क्षेत्र है जो नई-नई लोकेशन्स, अलग-अलग संस्कृतियों और ऐतिहासिक चीजों को अपने तरीके से एक्सप्लोर करने का आनंद, रोजगार और पहचान तीनों देता है।

पर्यटन के जरिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में बड़ा कदम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन सेवाओं का यह विस्तार केवल सुविधाओं की शुरुआत नहीं, बल्कि 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नई सेवा और सुविधा रोजगार, कौशल विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक पर्यटकों की संख्या दोगुना की जाए और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था का आकार 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई हेली पर्यटन सेवाओं से स्थानीय युवाओं के साथ-साथ महिलाओं को भी बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के माध्यम से महिलाओं को पर्यटन, आतिथ्य और हस्तकला क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

थाईलैंड में डूबे अंकित की बहन बोली-भाई तैरना जानता था

एक साथी ने मोबाइल का पासवर्ड क्यों मांगा; पिता ने की सही जांच कराने की मांग

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के अंकित साहू की थाईलैंड के समुद्र में डूबने से मौत हो गई। वे मेडिकल कंपनी बीएल लाइफ साइंस में काम करते थे। 23 अक्टूबर को कंपनी के कर्मचारियों के साथ टूर पर थाईलैंड गए थे। 27 अक्टूबर को अंकित के एक साथी ने परिवार को फोन पर सूचना दी कि अंकित समुद्र में डूब गए। उनके फेफड़ों में पानी भर गया। कुछ देर बाद बताया कि अंकित की मौत हो चुकी है। बहन आयुषी ने कहा कि भाई तैरना जानता था। जबकि मौत डूबने से हुई तो उनके एक साथी ने मोबाइल का पासवर्ड क्यों मांगा था? दूसरी ओर, पिता रोते हुए बार-बार कह रहे हैं कि अब मेरी पोती और परिवार को कौन संभालेगा। जैसे-तैसे पाल-पोस कर बड़ा किया था। हे भगवान, ये क्या हो गया?

जिस दिन वापस आना था उसी दिन डूबे

अंकित की बहन आयुषी ने बताया कि भैया 23 अक्टूबर को यहां से निकले थे। 5 दिन बाद उनके वापस आने का प्रोग्राम था। जिस दिन वो वापस आने वाले थे उस दिन 12 बजे तक उनसे हमारी बात हुई।

मध्यप्रदेश के चहुँमुखी विकास को दर्शाती प्रदर्शनी का आयोजन

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रवींद्र भवन भोपाल में ÷अभ्युदय मध्यप्रदेश÷ नामक राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन राज्य के भविष्य के लिए नीति, दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता का संगम था। इसका मुख्य केंद्र बिंदु ÷उद्योग और रोजगार÷ था। समारोह में विकसित मध्यप्रदेश ञ्च2047 की परिकल्पना को साकार करने और उसे धरातल पर उतारने हेतु राज्य शासन की नीतियों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करती हुई प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में भारत पेट्रोलियम की विश्व-स्तरीय पेट्रोकेमिकल काम्प्लेक्स परियोजना से लेकर नवकरणीय ऊर्जा उपकरण उत्पादन क्षेत्र की इकाइयों, राज्य शासन के औद्योगिकीकरण से सम्बंधित अभिनव पहलों को दर्शाया गया। प्रदर्शनी का मुख्य केंद्र प्रदेश के बीना जिले में बीपीसीएल की एक दशक से अधिक समय से संचालित क्रूड तेल रिफाइनरी परियोजना का मॉडल रहा। इसमें कंपनी द्वारा उनके विभिन्न ऑपरेशन्स को बड़ी सटीकता से दर्शाया गया। कंपनी द्वारा रुपए 60,000 करोड़ से अधिक के निवेश से प्रस्तावित पेट्रोकेमिकल काम्प्लेक्स और रिफाइनरी के विस्तार के सम्बन्ध में भी आमजन से जानकारी साझा की गई। इस परियोजना से 5,000 व्यक्तियों को सीधे रोजगार प्राप्त होने के साथ-साथ बड़े स्तर पर डाउनस्ट्रीम उद्योग का विकास एवं स्व-रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थापित हो रही इकाइयों और राज्य शासन की परियोजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई गयी। नवकरणीय ऊर्जा उपकरण जैसे सौर सेल एवं मॉड्यूल, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, ग्रीन हाइड्रोजन की उत्पादन इकाइयों द्वारा लगाई गयी प्रदर्शनियां आकर्षण का केन्द्र रही।

मध्यप्रदेश आज सबसे तेज गति से विकास करने वाला प्रदेश: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कलेक्ट्रेट रीवा में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में कहा कि मध्यप्रदेश तेजी से विकास की राह पर चल रहा है। प्रदेश निर्माण का 70वां वर्ष मनाते हुए हम सबको गर्व है। कृषि, उद्योग, अधोसंरचना विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों गरीबों को लाभान्वित किया जा रहा है। एक समय ऐसा भी था जब प्रदेश में बीमारू राज्य का टैग लगा था। प्रदेश में संसाधन, प्राकृतिक संपदा और परिश्रम करने वाले करोड़ों हाथ हैं। सरकार की सही नीतियों और कार्यक्रमों से अब प्रदेश के विकास को पंख लग गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के साथ-साथ विन्ध्य प्रदेश का भी तेजी से विकास हुआ है। यहाँ पहले केवल एक लाख एकड़ में सिंचाई की सुविधा थी। हमने इसे तीन लाख एकड़ तक बढ़ाया है। अगले पाँच सालों में रीवा में नौ लाख एकड़ में सिंचाई की सुविधा मिल जाएगी। इससे जिले का तेजी से आर्थिक विकास होगा। विन्ध्य के निवासियों का उर्वर मस्तिष्क सकारात्मक दिशा में प्रयास कर देता है तो चमत्कार कर देता है। प्रदेश के विकास का हम अवलोकन करते हुए अतीत की गलतियों से सबक लेकर विकास का मार्ग प्रशस्त करें। नई पीड़ी को नशे की राह से विमुख करना आवश्यक है। नई पीड़ी यदि नशे की गिरफ्त में चली गई तो विकास के फल का स्वाद नहीं ले पाएगी। रीवा में प्रशासन ने नशे के विरूद्ध सराहनीय अभियान चलाकर 600 से अधिक नशे के सौदागरों को जेल भेजा है। भारी मात्रा में गांजा, कोरेक्स और अन्य मादक पदार्थ जब्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश स्थापना दिवस समारोह के शुभारंभ पर ध्वजारोहण किया। समारोह में सेंट्रल एकेडमी तथा संदीपनि पीके स्कूल के विद्यार्थियों ने सुमधुर गीत प्रस्तुत किए। समारोह में विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश गान की मधुर प्रस्तुति दी। समारोह में उद्योग विभाग से लाभान्वित पाँच हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, डीआईजी हेमंत चौहान सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

घुटनों से उठ अपने पैरों पर चल पड़ा छत्तीसगढ़

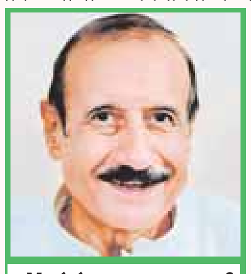

डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

किसी भी राज्य में उसके सभी भौगोलिक क्षेत्रों में मूलभूत अधोसंरचनाओं का विकास बराबरी से नहीं हो पता है। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत लोगों के रहन-सहन, जीवन स्थितियों और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में गहन असमानताएं रहती हैं। 1 नवम्बर, 2000 को मध्यप्रदेश से अलग होकर 26 वें राज्य बने छत्तीसगढ़ को ऐसी गहरी असमानताएं निर्माण के साथ ही प्राप्त हुई थीं द्य रायपुर, भिलाई-दुर्ग, कोरबा, बिलासपुर जैसे शहर रहन- सहन व संरचनात्मक विकास की दृष्टि से अपेक्षाकृत बेहतर थे, पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थितियां निम्नतर थीं द्य प्रदेश का 40त्न भौगोलिक भाग वन क्षेत्र है, जहाँ रहने वाले आदिवासी जनसंख्या, विशेषकर सुदूर घने वन क्षेत्रों में निवासरत जनसँख्या तक विकास की रोशनी पहुंची हुई सी नहीं लगती थी द्य इसीलिए सर्वाधिक सामाजिक-आर्थिक विकास में सबसे अधिक असमानता की पीड़ा भोगने वाले आदिवासी रहे हैं। 1980 से बस्तर संभाग में नक्सल गतिविधियों के शुरू होने के बाद से छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में नक्सलवाद अपने आतंक से पैर ज़माने लग गया द्य इससे आदिवासियों का जीवन संघर्ष और भी जटिल होने लग गया द्य राज्य गठन से ही छत्तीसगढ़ को विरासत में मिली इस समस्या से निपटना एक बड़ी चुनौती थी।

नए राज्य के बनने से बहुत-सी उम्मीदें जनमानस में जागी द्य यह सोचा व माना गया कि अब विकास को तीव्र गति मिलेगी द्य। राज्य में उपलब्ध प्रचुर खनिज संसाधनों के परिपेक्ष्य में बहुत सारा औद्योगिक निवेश होगा और राज्य की आय बढ़ने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा नव स्थापित होने वाले औधौगिक प्रतिष्ठानों के इर्द-गिर्द नए आर्थिक ईकोसिस्टम बनेंगे; जिससे स्थानीय जनमानस के सामाजिक-आर्थिक विकास के नए मार्ग खुलेंगे। राज्य में निम्नतर जीवन स्थितियों में रहने वाले गरीबों, मजदूरों, किसानों, जंगलों पर निर्भर आदिवासियों जीवन में परिवर्तन होगा द्य राज्य में बुनियादी संस्थागत ढांचों में सुधार होगा द्य बेहतर अधो-संरचनाओं के निर्माण के साथ रोजगार के नए साधन सृजित होंगे और छत्तीसगढ़ में खुशहाली के आने में गति आएगी। चूँकि जैव-विविधता व लोक संस्कृति छत्तीसगढ़ की पहचान है, अतः यह स्वाभाविक उम्मीद थी कि इस विरासत के संरक्षण के प्रयास अपने राज्य में गंभीरता से होंगे। इन 25 सालों में छत्तीसगढ़ के विकास की जिम्मेदारी आरंभ के 3 वर्ष में श्री अजीत जोगी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार की रही द्य उसके पश्चात जनता ने 15 वर्ष तक विकास की जिम्मेदारी डॉ रमन सिंह के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सौपीं थी द्य इसके बाद के 5 वर्षों के लिए श्री भूपेश

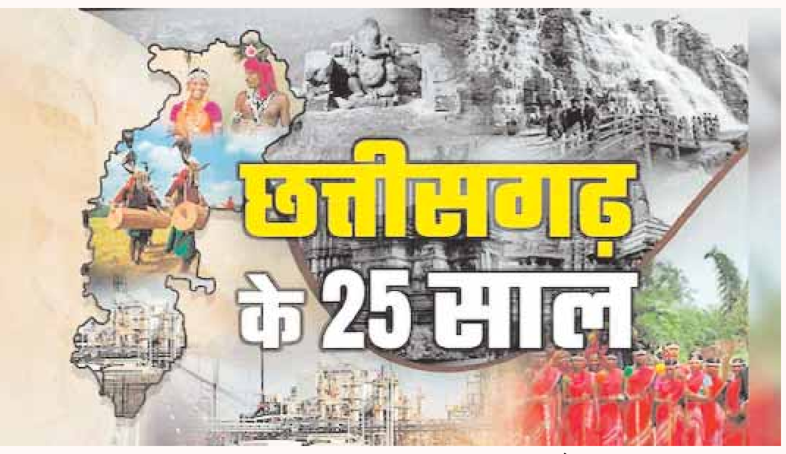

बघेल की अगुवाई में कांग्रेस की सरकार को विकास की बागड़ोर जनता ने सौपीं द्य भारतीय जनता पार्टी ने जनता का विश्वास अर्जित कर अब फिर से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनाई है । कांग्रेस की सरकार के 8 वर्षों और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 17 वर्षों में छत्तीसगढ़ विकास के मार्ग पर तेजी से अग्रसर हुआ है।

वर्ष 2000 में राज्य की जनसंख्या लगभग 2 करोड़ थी जो अब बढ़कर लगभग 3.5 करोड़ हो चुकी है द्य एक-चौथाई आबादी शहरी क्षेत्र में और तीन-चौथाई आबादी ग्रामीण व वन क्षेत्रों में निवासरत है द्य प्रशासनिक अधिकारियों व विभागों तक जनता की पहुंच को बेहतर बनाने की दृष्टिकोण से राज्य गठन के समय के संभाग अब 3 से बढकर 5, जिले 16 अब बढ़कर 33 तथा तहसीलें 97 बढ़ कर 251 हो गई है द्य इससे विशेषकर दूर दराज के किसानों को अपनी राजस्व संबंधी समस्याओं के निराकरण में सुविधा हुई। इन 25 सालों में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग व कृषि और बुनियादी ढांचे में लगातार सुधार हुआ है द्य खनिज संपदा के मामले में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्यों में आता है द्य इस्पात, कोयला और बिजली उत्पादन में इस राज्य का महत्वपूर्ण योगदान है द्य इन 25 वर्षों में भिलाई, कोरबा, रायगढ़, बैलाडीला, जगदलपुर जैसे भौगोलिक स्थानों में औद्योगिक विकास में तेजी से प्रगति हुई है द्य पावर सेक्टर में बहुत से उद्योग लगे द्य औद्योगिक विकास के कारण बड़ी संख्या में रोजगार भी स्थानीय लोगों को मिला है द्य 2001 में राज्य का बजट मात्र 399 करोड़ रूपये था जो 2025 26 में बढ़कर 1,65,000 करोड़ रूपये हो गया है द्य राज्य सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 25,845 करोड़ से बढ़कर 3,21,945 करोड़ रुपए हो गया है । आर्थिक विकास की ओर प्रदेश निरंतर बढ़ रहा है द्य 2000 में जब छत्तीसगढ़ का गठन हुआ था, प्रति व्यक्ति आय 12 हजार रूपये थी जो अब बढ़कर 1 लाख 60 हजार हो गई है और उसे हिसाब से इन 25 सालों में 13 गुना उल्लेखनीय वृद्धि हुई है द्य धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में 70% से अधिक आबादी खेती व इससे जुड़े कार्यों पर निर्भर है द्य सरकार द्वारा 21 क्विंटल तक 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी से किसानों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत हुई है द्य प्रदेश में सिंचाई के संसाधनों में वृद्धि हुई है द्य 2000 में प्रदेश में सिंचित रकबा 13.28 लाख हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 21.76 लाख हेक्टेयर तक गया है द्य वार्षिक कृषि वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है जो उल्लेखनीय है द्य पीएम किसान सम्मान निधि और सौर सुजला जैसी योजनाओं का किसानों को सीधा लाभ मिला है। तेंदूपत्ता श्रमिकों के पारिश्रमिक भी 5,500 प्रति बोरा तक हो जाने से तेंदूपत्ता संग्राहकों की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है द्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 324 गांव में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क,बिजली,पानी,शिक्षा व स्वास्थ सेवाएं प्रदान की जा रही हैं द्य इन ग्रामों में सामुदायिक केंद्र, आंगनवाडी केंद्र स्वास्थ केंद्र व प्राथमिक स्कूल खोले जा रहे हैं। 2001 में राज्य में 38,050 सरकारी स्कूल थे जो अब बढ़कर 56,615 हो गए हैं जिनमे 52 लाख विधार्थी अध्यनरत हैं द्य इस अवधि में शिक्षा सूचकांक 0.249 से बढ़ कर 0.520 हो गया है। राज्य के गठन के समय उच्च शिक्षा संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात 3.5 था जो अब बढ़कर 18.6 हो गया है द्य प्रदेश में इस समय 9 राजकीय विश्वविद्यालय, 15 निजी विश्वविद्यालय, 335 शासकीय महाविद्यालय, 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों तथा 256 निजी महाविद्यालय हैं। वर्तमान सत्र में कुल 3.35 लाख छात्र-छात्राएँ उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत हैं द्य राज्य में 25 वर्षों में चिकित्सा शिक्षा को उल्लेखनीय विस्तार मिला है द्य चिकित्सकों की कमी को देखते हुए और प्रदेश के युवाओं को चिकित्सक बनाने के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं द्य प्रदेश में इस समय 10 शासकीय तथा 5 निजी मेडिकल कालेज संचालित हैं द्य अगले सत्र में तीन और नए मेडिकल कालेज राज्य सरकार खोल रही है द्य चिकित्सा शिक्षा के अकादमिक नियमन हेतु आयुष विश्वविधालय स्थापित किया गया है जिसके आधीन इन मेडिकल कालेजों के आलावा 8 शासकीय सहित कुल 131 नर्सिंग, 1 शासकीय सहित कुल 7 दन्त चिकित्सा, 1 शासकीय सहित कुल 2 फिजियोथेरेपी, 2 शासकीय सहित कुल 9 आयुर्वेदिक, 2 निजी प्राकृतिक चिकिसा के शिक्षण संस्थान संचालित हैं। इसके आलावा केंद्र सरकार का अखिल भारतीय आयुष विज्ञान संस्थान (AIIMS) भी प्रदेश की राजधानी संचालित है।

सुनो भाई उधो

बेर्रा बादर

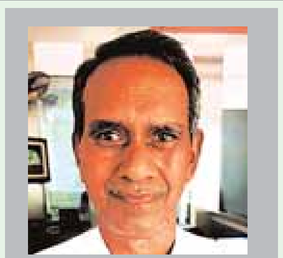

परमानंद वर्मा

मोर ये समझ नइ आवय, काबर कोनो ककरो बनक, बढ़त अउ विकास ला देख नइ सकय? रेढ़-रेढ़ के, हकर-हकर, मर-खप के दिन रात, न संझा देखय, न बिहनिया, जांगर टोर-टोर के, पछीना गार-गार के कमाय रहिथे एक के ला इक्कीस करथे। न ककरो करा उधारी मांगय न बाढ़ी। दूनो परानी मरत-खपत रहिथे। खेती किसानी मं, तब कहूं जाके अन्न परमेसरी खेत मं दरसन देथे अउ कहिथे- आ बेटा, अब मोला खेत ले खलिहान मं ले जा, जइसे कुंआरी बेटी जब सोलह बछर के होय ले धरथे तब दाई-ददा बेटी के हाथ पिंवरा करे ले सोचथे, जान डरथे ये पराया धन हे, ओकर हाथ सुपरद कर देना चाही। वइसने खेत घला हा किसान करा गोठायाथे।

- 'अब्बड़ लम्हरी बात ला लमिया डरे गजामूंग, अइसे अचानक तोर मन मं का बात आगे ते कहां ले कहां के गोठ-बात कर डरे? कोनो काकरो बनक, बाढ़त अउ विकास ला नइ देख सकत हे, कोन काकर नुकसानी बर नीयत गड़ा दे हे।

सोमनाथ कहिथे- 'काला का कहिबे गजामूंग, मनखे मन तो अनदेखना, अंखफुट्टा होबेच करथे, ए मौसम, ये पानी, ये बेर्रा बादर के घला नीयत डोलगे हे, देख ना, खेत मं अन्न परमेसरी बेटी बरोबर अगोरा करत हे, काहत हे- अब मोर मालिक, मोर ददा, मोला लू-लुआ के खेत ले खलिहान लेगही, उहां टोरही-भांजही, मिंजही अउ खेत ले ओकर घर मं पांव धरहूं। मोर दाई, बहिनी, कका-काकी, भइया-भउजी अगोरा करत होही, मोला देखे बर लुलवावत होही। घर मं जाहूं तब कतेक मोर धूमधाम से सुआगत करही, आरती उतारही। मोरो आंखी हा ओमन ला देखे बर तरसत हे जइसे कोनो महतारी अपन नवा संतान के चेहरा के एक झलक देखे बर तरसथे। बिहनिया के उवत सुरुज देवता देखे खातिर धरती मइया तरसथे।

तंय कहना का चाहत हस सोमनाथ तेला बने फोर के बताना रे भई, का घुमा-फिरा के कहिथस के बांया कोती के कान दांया कोती के बात ला घला नइ सुन सकय, समझ सकय। मंय तोर सही ओतेक जादा पढ़े-लिखे नइ हौं भई।

सब जानत समझत हस गजामूंग, अइसन कोनो कोंदा-लेडग़ा अउ बइहा-भुतहा नइ हस? सोमनाथ कहिथे- 'आज के मनखे अनदेखना अउ अंखफुट्टा होगे हे तेला तो जानस समझत हस न। कोनो ला बने खात-पियत, ओढ़त-पहिनत, घूमत-फिरत, गोठियावत-बतावत नइ देख सकत हे तउनो बात ल समझत हस ना, कोनो दू ल दस अक्कड़ जमीन बना डरिस, घर-दुआर बना डरिस, भगवान के परसाद घोड़ा-गाड़ी आगे, तउनो ला तो तंय जानस हस ना?

गजामूंग हुंकारू भरत कहिथे- 'हां

तब इही तो बात हे, ए सबो ला देख के काबर सबके आंखी फूटथे, जलथे। आघू मं मीठ-मीठ गोठियाही अउ तरी-तरी जलत भूंनत रहिथे। कहिथे- देख तो सारे ला रे, चार पइसा का कमा लिस, हवा मं उड़त हे। ओ दिन ला भुलागे, जब ओकर दाई-ददा मन मोर घर नाहना टोरत रहिसे, बनिहार रिहिसे। दिन-रात खपत रिहिसे। काकर परसादे आज एहर हवा मं उड़त जात हे चिरई बरोबर।

- 'ओ सब बात ला छोड़, अभी अइसे तोर पेट मं का पीरा उठगे अचानक ते बड़बड़ाय ले धर लेस बइहा बरोबर? गजामूंग कउवाय असन बोलथे।

तोला का बतावंव गजामूंग, मनखे तो मनखे ये मौसम, ये पानी बेर्रा बादर के घला आंखी फूटत हे मोर फसल ला देख के, युहू अंखफुट्टा हे तइसे लागत हे। लागत हे नहीं, हावय।

खेत मं फसल खड़े हे, अन्नपूरना छटपटावत हे, फेर जानत हस कोन-कोन जघा मं भारी बरसात होगे, खड़े फसल चउपट होगे। अनपूरना तो रोबे करत हे, किसान सब माथा धर के रोवत हे। छोटे लइका ला कतेक हियाव करके पालथन, पोसथन अउ अचानक जइसे कोनो बीमारी सचर जथे, झपा जथे। रेंग देथे ओ संतान, कतेक बोम फार के रोथे दाई-ददा मन। हाय मोर बेटा...हाय मोर बेटी...। उही हाल ओ किसान मन के होगे हे जिहां बरसात हा फसल ला मुरकेट के मार डरे हे। मंय सियान हंव गजामूंग तोर सही साहेब नोहंव। खेती के रकम, दरद, पीरा ला ओ खेत, अउ किसान ही समझ सकथे।

गजामूंग समझाथे- सोमनाथ भइया, पानी, बेर्रा बादर तो हमर मन के धरे-बांधे नोहय, ओकर ऊपर हमर का वश हे, चले नइ सकय। ओ अपन मन के मालिक हे, जिहां गरज जाय, बरस जाय, बिजली चमक जाय।

सोमनाथ कहिथे- 'गजामूंग, अरे पानी-बादर के दिन पहागे, देवारी-दसहरा, देवउठनी घला निकलत हे। एकर अवरदा पूरा होगे। अब ओला चले जाना चाही अपन घर-दुआर। ठंडकाला के दिन अवइया हे, तब काबर दूसर के हक ला मारत हे ये नीयतखोर अउ अंखफूट्टा बेर्रा बादर मौसम हा। बरसे के दिन मं बरसही नहीं, चोरहा मन असन जीव लुकावत फिरही, अब जब जरूरत नइहे तब का नुकसान करे बर बरसत हे। मंय कोनो अदालत के 'जज होतेंव तब ये मौसम ला फांसी के सजा सुना देतेंव।

'अच्छा... अच्छा... अब समझेंव सोमनाथ तोर माथा अतेक काबर आज गरम होय हे तउन ला। लोहार-सोनार के धुकनी बरोबर तोर अंतस धधकत हे ये पानी-बादर ला देख के। सालभर के मिहनत पानी मं झन फिर जाय। गजामूंग ओला समझावत कहिथे- 'धीरज धर संगी, ये बादर तोला डेरवाय बर आवत हे, जउन बादर गरजथे न, तउन बरसय नहीं।

मोला भरोसा नइहे गजामूंग- बेईमान, चोर, डाकू, लफंगा, आतंकी अउ नीयतखोर मन के कभू भरोसा नइ करना चाही। मोला ओ कहावत के अभी सुरता आगे मितान- 'ठाढ़े खेती गाभिन गाय, तब जानव जब मुंह मं जाय। वइसने कस हाल आज मोर होगे हे।

व्यंग्य रचना : विधायक पधारे हैं

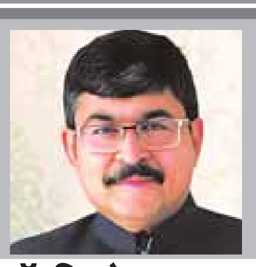

डॉ. किशोर अग्रवाल

क्षेत्र के विधायक महोदय का गांव में पांच साल बाद आगमन हुआ। स्कूल के सामने खड़े एक बच्चे ने पत्थर फेंक कर मारा। उसे पकड़ कर लाया गया। पूछा "क्यों मारा?" तो कहा कि मेरी क्लास स्कूल की परछी में लगती थी , बापू बोले तुम्हें वोट दिया है ,अब तुम भी क्लास रूम में पढ़ोगे। मैं अब ग्यारहवीं कक्षा में आ गया ,हमारे स्कूल के दो कमरे और परछी टूट गई। अब दो कमरों में पूरा स्कूल चल रहा है। तुम बोले थे ना कि यहां के बच्चे इंग्लिश सीख कर अमेरिका जाएंगे हम तो शहर तक भी नहीं गए। पुल तो जस का तस टूटा है तुम कैसे आ गए विधायक जी ?

तभी झाड़ू लगाती एक मेहतरानी ने झाड़ू फेंक कर मारा। विधायक के चमचों ने फुर्ती से पकड़ लिया । "क्या करती हो?" वह बोली "मुझे हाथ मत लगाओ हरामखोरों, दो साल पहले सदस्यता अभियान में तुम्हारे जैसे और भी आए थे विधायक के गुंडे। उन्होने गेस्ट हाउस में सफाई करती हमारी बिटिया की पत लूट ली और इस नाशपीटे के दबाव में पुलिस ने रपट तक नहीं लिखी। अब यहां यह क्या अपनी अम्मा बेचने निकला है ?

घबराया विधायक किसी की बाहर पड़ी चारपाई पर जा बैठा । एक डोकरा आंख पर हथेली का छाजन किए बड़ी देर से उसे निहार रहा था । चमचे ने पूछा "क्या देख रहे हो बाबा, विधायक जी से कोई काम है क्या ?"डोकरा और पास आया मिचमिची आंखों से देखते हुए बोला "वैसा ही है, उतना का उतना हरामखोर । मैंने तब भी सबको बहुत समझाया था कि यह जीत कर पांच साल बाद ही फिर दिखेगा ,अब फिर आया है । अब कहेगा सड़क सुधरवा देगा, स्कूल बनवा देगा, गांव के बेरोजगारों को रोजगार देगा ,पर इस बार जूते मारेंगे जूते ,पुराने चमरौंधे जूते एकट्ठे करके चौपाल में रखे हैं।"

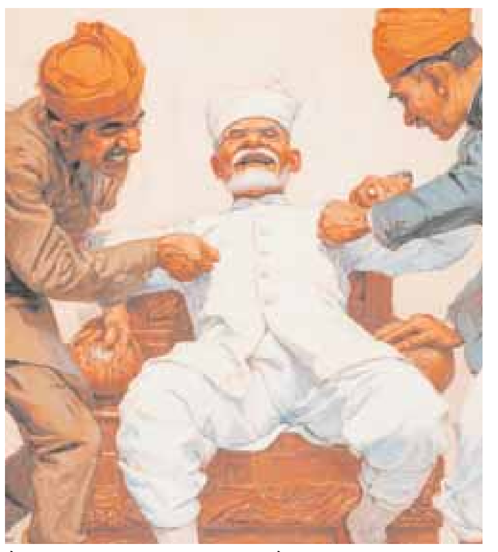

विधायक के ठहरने का कोई प्रबंध नहीं था क्योंकि पिछली सभाओं और जुलूसों के खर्चे विधायक की पार्टी ने चुकाए ही नहीं थे। पीपल की छांव में चारपाई पर बैठे विधायक के शहरी चमचों के अलावा गांव का कोई समर्थक न आया था। उसके बूथ संभालने वाले साथी गांव में मुंह दिखाने लायक नही बचे थे। जीत कर तो विधायक देवताओं को भी दुर्लभ हो जाते हैं । यह विधायक सिर्फ विधायक ही रहा मंत्री ना बन सका , सरकार में सिर्फ समर्थन में हाथ उठाता रह गया था। अपने वोटरों के लिए कुछ कर नही पाया न उसके हिस्से मलाई आई न वोटरों के हिस्से छाछ।

मालाओं को तरसती उसकी गर्दन सूखी की सूखी रह गई। तर माल खाने वाला हलक प्यास के मारे सूखने लगा। तभी दूर धूल का एक गुबार सा उठा। एक बड़ी गाड़ी में दो-तीन लठैतों सहित पास के गांव का साहूकार आया और आते ही विधायक के गिरेबान पर हाथ डाल दिया । बोला ÷विधायक के बच्चे ! बिना ब्याज पर रुपया लेकर पुल पुलिया निर्माण का ठेका दिलाने का झूठा आश्वासन देकर चूतिया बनाए हो । शहर में अपने ठौर मिलते नहीं , घर में रहकर भी टरका देते हो। अब हाथ चढ़े हो, आओ पूरी विधायकी घुसेड़ देते हैं।"

साहूकार के शोहदों ने विधायक की गाड़ी अपने कब्जे में ले ली। बांस की लाठी पर विधायक को उल्टा लटकाकर अपनी गाड़ी में डाल लिया। शहरी समर्थक जान बचाकर खेतों में भाग लिये। यह तमाशा देख रहे एक भिखारी ने कहा "इसे मार डालो या पीट लो यह जाति ही ऐसी है । आजादी के बाद से बस उनके चेहरे बदले हैं। हम किसान थे, भिखारी हो गए, पर इनका रूप न बदला । अब भी तो किसी को फिर चुनोगे। नागनाथ जाएंगे ,सांपनाथ आएंगे । तुम अपने दुखों की बीन बजाते रहना यह जीतकर फिर शहर के बंगलों में खो जाएंगे।"

डैश डाइट : स्वस्थ हृदय और दीर्घायु जीवन की दिशा में एक कदम

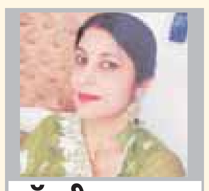

डॉ. सीमा कालरा

भूमिका

आज के युग में मनुष्य ने भौतिक प्रगति तो बहुत की है, परंतु स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक चुनौतियाँ उत्पन्न हो गई हैं। बदलती जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या, तनाव, बाहर का भोजन और फास्ट फूड संस्कृति ने स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाला है।

इन सबका परिणाम है - उच्च रक्तचाप (Hypertension), मोटापा (Obesity), हृदय रोग (Heart Disease), मधुमेह (Diabetes) तथा अन्य जीवनशैली संबंधी बीमारियों का बढ़ता प्रसार।

ऐसे समय में चिकित्सा जगत और पोषण विशेषज्ञों ने यह सिद्ध किया कि यदि व्यक्ति अपने आहार में संतुलन और अनुशासन लाए, तो वह अनेक बीमारियों से बच सकता है। इसी दिशा में वैज्ञानिकों ने एक विशेष आहार योजना तैयार की, जिसे नाम दिया गया – DASH Diet, अर्थात् Dietary Approaches to Stop Hypertension।

यह डाइट न केवल रक्तचाप को नियंत्रित करती है, बल्कि सम्पूर्ण शरीर को स्वस्थ, ऊर्जावान और सशक्त बनाती है।

डैश डाइट क्या है?

DASH डाइट एक संतुलित आहार प्रणाली है जिसे 1990 के दशक में अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (National Institutes of Health, USA) द्वारा विकसित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य था – हाई ब्लड प्रेशर को दवाओं के बिना नियंत्रित करना।

बाद में शोधों से यह प्रमाणित हुआ कि यह डाइट हृदय रोग, मोटापा, स्ट्रोक और मधुमेह जैसी बीमारियों को भी रोकने में सहायक है।

DASH डाइट का सिद्धांत सरल है –

?? सोडियम (नमक) की मात्रा घटाओ

?? फल, सब्ज़ियाँ, साबुत अनाज और कम वसा वाले खाद्य पदार्थ बढ़ाओ

?? मीठे, तले और प्रसंस्कृत (processed) खाद्य पदार्थों को सीमित करो

डैश डाइट के मुख्य घटक

1. फल (**Fruits**):
ताजे फल जैसे केला, सेब, संतरा, पपीता, अमरूद, तरबूज, स्ट्रॉबेरी आदि पोटेशियम और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।
2. हरी सब्ज़ियाँ (**Vegetables**):
पालक, लौकी, तोरी, भिंडी, ब्रोकली, शिमला मिर्च जैसी सब्ज़ियाँ विटामिन और खनिजों का उत्कृष्ट स्रोत हैं।
3. साबुत अनाज (**Whole Grains**):
गेहूं, जौ, ओट्स, ब्राउन राइस, बाजरा, रागी आदि जटिल कार्बोहाइड्रेट प्रदान करते हैं जो लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं।
4. दूध और दुग्ध उत्पाद:
टोंड दूध, दही, छाछ और पनीर से कैल्शियम और प्रोटीन की पूर्ति होती है।
5. प्रोटीन स्रोत:
दालें, राजमा, चना, सोया उत्पाद, मछली और अंडा शरीर के ऊतकों के निर्माण और मरम्मत में सहायक होते हैं।
6. नट्स और बीज (**Nuts & Seeds**):
बादाम, अखरोट, सूरजमुखी के बीज, अलसी के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं, जो हृदय के लिए लाभदायक हैं।
7. वसा (**Fat**):
तली हुई चीज़ों से परहेज़ करते हुए सरसों, जैतून या सूरजमुखी तेल का सीमित उपयोग किया जाता है।

इस डाइट में प्रत्येक पोषक तत्व का संतुलित अनुपात होता है जो शरीर के हर अंग को सुचारू रूप से कार्य करने में सहायता करता है।

आज का इतिहास

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिए अनुकूल परिस्थिति वाला रहेगा पूर्व में सोची योजनाए सिरे चढ़ने से आय के नए मार्ग विकसित होंगे।

वृष: आज का दिन सरकार संबंधित कार्य करने के लिये शुभ रहेगा अधिकारी वर्ग का नरम व्यवहार रहने से काम निकालना आसान होगा।

मिथुन: आज के दिन आपके आध्यात्मिक क्षेत्र में उन्नति के योग बन रहे है। आज परोपकार की भावना भी प्रबल रहेगी।

कर्क: आज के दिन भी स्थिति निराशाजनक रहेगी दिन के आरंभ से ही हानि के डर से किसी भी कार्य को करने से कतराएंगे।

सिंह: आज का दिन मध्यान तक लाभदायक रहेगा। इसके बाद का समय घरेलू अथवा व्यावसायिक उलझनों की भेंट चढेगा।

कन्या: आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा आज आप जल्दी से किसी ठोस निर्णय पर नही पहुच पाएंगे।

तुला: आज का दिन पिछले दिनों की अपेक्षा सुधार वाला रहेगा। सेहत में सुधार आने से कार्य गंभीर होकर करेंगे लेकिन आज मेहनत का फल तुरंत पाने की इच्छा ना रखें।

वृश्चिक: आज का दिन मिला-जुला फल देगा।मध्यान बाद स्वभाव में विवेक जागृत होगा।

धनु: आज के दिन मध्यान बाद से आपको आशा के विपरीत फल मिलने लगेगा सेहत भी साथ नही देगी आवश्यक कार्य इससे पहले ही पूर्ण करने का प्रयास करें।

मकर: आज का दिन मध्यान तक बेचैनी वाला रहेगा। आप का संकल्प किसी ना किसी व्यवधान के कारण पूर्ण नही हो पायेगा।

कुंभ: आज के दिन आपमे भावुकता अधिक रहेगी। दिन के आरंभ से मध्यान तक कि दिनचार्य व्यवस्थित रहेगी लाभ की आशाएं भी बनी रहेंगी।

मीन: आज का दिन आपकी आशाओ के विपरीत रहने से मन मे नकारात्मक भाव आएंगे लेकिन आध्यात्म से जुड़ने का लाभ भी किसी ना किसी रूप में अवश्य ही मिलेगा।

सूर्योदय : 06:41, सूर्यास्त : 05:40, चन्द्रोदय : 14:45, चन्द्रास्तः :02:41, अयन : दक्षिणायणे (दक्षिण गोले), ऋतु : हेमन्त, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वतः : 2082 (सिद्धार्थी), मास : कार्तिक, पक्ष : शुक्ल, तिथि : एकादशी, नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद, योग : व्याघात, प्रथम करण : गर (09:11 तक), द्वितीय करण : वणिज (20:27 तक)

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : तुला, चंद्र : कुम्भ, मंगल : वृश्चिक (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : वृश्चिक (उदय, पूर्व, मार्गी), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : कन्या (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

1) माउंट एडम्स, एक स्ट्रैटोवोल्केनो, किस देश में स्थित है?

2) भारत की भाषाई विरासत का जश्न मनाने के लिए प्रवासी परिचय 2024 का उद्घाटन कहाँ हुआ?

3) प्रकृति 2025 अंतरराष्ट्रीय कार्बन बाजार सम्मेलन कहां आयोजित किया गया था?

4) वर्तमान अनुमानों के अनुसार ब्रह्मांड की आयु कितनी है?

5) चीन के बाद पायलटों के लिए इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल लाइसेंस लॉन्च करने वाला दूसरा देश कौन सा बन गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) संयुक्त राज्य अमेरिका (2) मॉरीशस (3) नई दिल्ली (4) 13.7 अरब वर्ष (5) भारत

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -215

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खींचकर लगने वाली, रूचि के अनुकूल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रींगक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घूंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

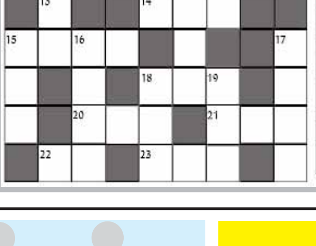

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 214 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

न्यूज गैलरी

बड़े तालाब क्षेत्र में अतिक्रमण पर एनजीटी सख्त

बीएमसी को दो सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट देने के निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेंट्रल जोन बेंच भोपाल ने बड़े तालाब वेटलैंड क्षेत्र में किए जा रहे अतिक्रमणों पर कड़ा रुख अपनाते हुए भोपाल नगर निगम को पूर्व आदेश के अनुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। भोपाल के बड़े तालाब (अपर लेक) क्षेत्र में अतिक्रमण के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने भोपाल नगर निगम को कड़ी फटकार लगाते हुए दो सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। न्यायाधिकरण ने साफ कहा है कि आर्द्रभूमि नियमों का अक्षरशः पालन किया जाए और सभी अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाया जाए।

पर्यावरण मंत्रालय की ओर से स्पष्टीकरण

पर्यावरण मंत्रालय की अधिवक्ता डॉ. सपना अग्रवाल ने कहा कि मंत्रालय ने अपने जवाब में पहले ही स्पष्ट किया है कि आर्द्रभूमि नियमों के अनुसार स्थानीय प्रशासन को प्रतिबंधित और विनियमित गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखनी होगी। किसी भी उल्लंघन की स्थिति में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को कार्रवाई करनी होगी।

नगर निगम को फटकार

आवेदक पक्ष ने न्यायाधिकरण को बताया कि 7 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुसार अपर लेक क्षेत्र में अतिक्रमणों को लेकर बीएमसी ने अब तक स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। बीएमसी की ओर से कहा गया कि अतिक्रमण के आरोपितों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं और सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। इस पर हत्तञ्ज ने नगर निगम की लापरवाही पर नाराजगी जताई और कहा कि पहले दिए गए निर्देशों का समय पर पालन नहीं किया गया है।

NGT का आदेश

न्यायाधिकरण ने निर्देश दिए कि भोपाल नगर निगम पूर्व आदेशों के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करे और आर्द्रभूमि नियमों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करे। की गई कार्रवाई की रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर न्यायाधिकरण को सौंपी जाए। राज्य सरकार के अधिवक्ता प्रशांत हरने ने बताया कि इसी तरह का एक मामला मूल आवेदन संख्या 77/2020 में भी लंबित है। यह मामला भोपाल के बड़े तालाब क्षेत्र में अवैध निर्माण और भूमि अतिक्रमण से जुड़ा है। पर्यावरणविदों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां झील की जल धारण क्षमता, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रही हैं।

भोपाल में छठवीं की छात्रा के साथ रेप

बहन की नंद के बेटे ने दिया वारदात को अंजाम, आंगनवाड़ी में काउंसलिंग में पीड़िता ने किया खुलासा

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के शाहपुरा में बहन के घर आई छठवीं कक्षा की 12 साल की छात्रा के साथ रेप का मामला सामने आया है। वारदात को पीड़िता की बहन की ननद के बेटे ने अंजाम दिया है। काउंसलिंग में रेप की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। आरोपी युवक की फिलहाल गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। पुलिस के मुताबिक 12 वर्षीय किशोरी कक्षा छठवीं की छात्रा है। वह बनारस की रहने वाली है और उसकी बहन की शादी इंद्रा नगर में हुई है। उसकी बहन की तबीयत खराब थी, इसलिए पीड़िता को उसके परिजनों ने बहन की देखरेख करने के लिए भेजा था। आरंभ संस्था के सदस्य इंद्रा नगर में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चियों को बैड टच से जुड़ी बातें बता रहे थे। तभी काउंसलिंग के दौरान मासूम ने अपनी साथ हुई घटना उन्हें बताई। जिसके बाद उसकी काउंसलिंग कराई गई।

अचानक कमरे में घुसा आया था आरोपी, किया रेप

मासूम ने उन्हें बताया कि करीब 15 दिन पहले रात में जब वह कमरे में सौ रही थी, तभी उनकी बहन की नंद का बेटा नीरज आ गया। उसने मासूम को डरा धमकाकर उसके साथ रेप किया। घटना के बाद से वह डर गई थी, इसलिए उसने यह बात किसी को नहीं बताई। यह खुलासा होने के बाद संस्था के लोग पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे और आरोपी युवक पर मामला दर्ज कराया। एफआईआर की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गया है। उसकी गिरफ्तारी

सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी अहंकार नहीं होना चाहिए : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

युवा अपनी ऊर्जा, उत्साह और सोच को सही दिशा में लगाकर देश को ऊंचाईयों तक पहुंचाने का संकल्प लें - थल सेना अध्यक्ष जनरल द्विवेदी

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में युवा अभिप्रेरणा कार्यक्रम

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी की उपस्थिति में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में आयोजित युवा अभिप्रेरणा कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी अहंकार नहीं होना चाहिए। संस्कारवान व्यक्ति के संस्कार उसे बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने युवाओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप उत्तरोत्तर प्रगति करें और उच्च पदों पर पहुंचे जिससे देश और प्रदेश में आपका नाम सम्मान से लिया जाय।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि थल सेना अध्यक्ष के रीवा आगमन पर हम सब गौरवान्वित हैं। टीआरएस परिसर में उनके आगमन से उत्साह एवं उमंग का वातावरण है। ऑपरेशन सिंदूर में थल सेना अध्यक्ष व नौसेना प्रमुख देश में हीरों के तौर पर उभर कर आयें हैं। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में उपस्थित जस्टिस व्ही.के. सिंह के मानस पटल पर भी रीवा की स्मृतियाँ सजीव हैं। उप मुख्यमंत्री ने स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय द्वारा किये गये कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि युवा शक्ति हमारे देश का वर्तमान व भविष्य हैं। इस कार्यक्रम से उन्हें जीवन में अपने लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा मिलेगी।

थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा उत्साह और सोच को सही दिशा में लगाकर देश को ऊंचाईयों तक ले जाने का संकल्प लें। अनुशासन और मार्गदर्शन मिलने से हमारे देश की युवा शक्ति भारत को और आगे ले जाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, साहस, स्पष्टपता, साथ मिलकर कार्य करने तथा परिवर्तन ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलता दिलाई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी और हमने आतंकवाद को समाप्त किया। उन्होंने कहा कि सिंदूर अभियान की लड़ाई सिर्फ सेना ने नहीं बल्कि देशवासियों ने एकता के साथ लड़ी। उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि टीआरएस कॉलेज की फुटबाल टीम को देखकर हम लोग के मन में ईर्षा होती थी। हमारे पिता जी ने भी इस ऐतिहासिक महाविद्यालय में अपनी पड़ाई की थी। इस महाविद्यालय का मेरी परवरिश में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि रीवा में आपसी भाईचारा और सौहार्द बहुत है। यहां सब लोग मिलकर रहते हैं और उनमें अपनत्व बहुत है। जनरल द्विवेदी ने सभी को मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस की बधाई दी। न्यायमूर्ति व्ही.के. सिंह ने कहा कि विन्ध्य की विभूतियों ने कर्म से महानता अर्जित की है। थल सेना अध्यक्ष व नौसेना प्रमुख एक ही विद्यालय के एक साथ पड़ने वाले छात्र हैं। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा को विकास के शिखर पर पहुंचाया है। रीवा का भाईचारा यहां की विशेषता है। जो अपनापन यहां है वह अन्य जगह देखने को नहीं मिलता है। कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती अर्पिता अवस्थी ने थल सेना अध्यक्ष का शाल, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। थल सेना अध्यक्ष ने महाविद्यालय के प्राचार्य को के-9 बज्र की प्रतिकृति भेंट की। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र ताम्रकार सहित प्राध्यापक, गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत थल सेना अध्यक्ष ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कैडेट्स से भेंट की।

राजधानी भोपाल में आज बिजलीकर्मियों का प्रदर्शन

नियमितिकरण के प्रस्ताव पर सुनवाई नहीं होने पर इकट्ठा होंगे

भोपाल/नवप्रदेश। राजधानी भोपाल में रविवार को बिजलीकर्मियों का बड़ा प्रदर्शन होगा। अंबेडकर ग्राउंड पर प्रदेशभर से बिजलीकर्मी जुटेंगे। नियमितिकरण के प्रस्ताव पर सुनवाई नहीं होने से उनकी नाराजगी है। मध्यप्रदेश यूनाइटेड फोरम फॉर एम्प्लाइज एवं इंजीनियर्स संस्थापक इंजीनियर वीकेएस परिहार ने बताया कि प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री को प्रस्ताव दिया है कि वितरण कंपनियों के संगठनात्मक स्ट्रक्चर में नियमित पद के मंजूर होने पर उन पदों पर संविदा पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को नियमित किया जाए। प्रस्ताव पर सरकार ने अभी तक संज्ञान नहीं लिया है। संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि नियमितिकरण के प्रस्ताव पर सुनवाई नहीं होने पर आक्रोश है। 3 महीने पहले ही नियमितिकरण का प्रस्ताव दिया गया था। इसलिए रविवार को %मुख्यमंत्री ध्यानाकर्षण कार्यक्रम% कर रहे हैं। नियमित भर्ती होने से पहले बिना परीक्षा सीधे बिजली संविदाकर्मी को नियमित करने की मांग है। वे 10-15 साल से विभाग में काम कर रहे हैं।

श्रीवास्तव ने बताया कि ऊर्जा विभाग में 49 हजार 263 नियमित पद रिक्त है। इनमें से 5 हजार विद्युत संविदाकर्मियों को मर्ज करने का प्रस्ताव है। सरकार ने अब तक इस पर किसी तरह के एक्शन के संकेत नहीं दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरकार ने इसकी घोषणा भी की थी, लेकिन उसे लागू नहीं किया गया।

कमेंडेशन डिस्क अलंकरण समारोह में 34 अधिकारी-कर्मचारी हुए पुरस्कृत

भोपाल/नवप्रदेश। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही.एन. अम्बाड़े ने शनिवार एक नवम्बर को ÷कमेंडेशन डिस्क%% अलंकरण समारोह में वन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 34 वन अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। वन कार्य क्षेत्र में वन सुरक्षा, कूप विदोहन, वानिकी कार्य, वृक्षारोपण, अतिक्रमण, वन्यप्राणी सुरक्षा जैसे अन्य सराहनीय कार्य करने वाले वन कर्मियों को सम्मानित किया गया। वन क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले सम्मानित किये गये वन अधिकारी-कर्मचारियों में सामाजिक वानिकी क्षेत्र में बालाघाट वनमंडल के वन संरक्षण श्री सचिन पदमें एवं श्री अमोल गौतम, कार्यवाहक वनपाल श्री रामशरण सिंह, भोपाल वन मंडल के वनरक्षक श्री रणछोर दास अग्निहोत्री एवं श्री अनिल कुमार गव्हाडे, छतरपुर वन मंडल के कार्यवाहल वनक्षेत्रपाल श्री बुद्धसेन कोल, दक्षिण पन्ना वन मंडल के वनरक्षक श्री प्रेमनारायण वर्मा और चन्द्रप्रकाश शर्मा, हरदा वन मंडल के वनरक्षक श्री मनोज सिंह चौहान, श्री रोहित कुमार गौर, श्री रामेन्द्र सिंह वर्मा एवं वनपाल श्री मोहम्मद शरीफ खान, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वनरक्षक श्री मनोज कुमार वरकड़े, इंदौर वन मंडल के वन रक्षक श्री प्रवीण मालवीय, श्री महेन्द्र चौहान, कार्यवाहक वनपाल श्री सुनील कुमार शर्मा एवं श्री महेन्द्र चौहान, झाबुआ वन मंडल से कार्यवाहक वनपाल श्री राजेन्द्र सिंह अमलिया, धार वनमंडल के वनरक्षक श्री मनीष गहलोत, मंडला वन मंडल के वनक्षेत्रपाल श्री हंसराज चौहान, वनपाल श्री गजलू सिंह मरावी और वनरक्षक श्री बैद्ध श्रवण कुलिहा, सिंगरौली वनमंडल के वनरक्षक श्री राजेश कुमार सोंधिया, श्री अविनाश पति त्रिपाठी, सिवनी पेंच टाइगर रिचर्व कार्यवाहक वनपाल श्री अनिल कुमार चौधरी, वनरक्षक श्री भूपेन्द्र राजपूत, श्री मनोज सलामे, श्री पुष्पेन्द्र चंचल ठोले, श्री संजय नामदेव, श्री वीरसिंह परस्ते, श्री चंचलेश गजभिये और श्री रोहित कुमार शुक्ला, मंदसौर वनमंडल से वनरक्षक श्री जितेन्द्र सिंह पंवार और वीरेन्द्र सिंह चौहान शामिल हैं। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एसआईआर के लिए कांग्रेस ने बनाई कमेटी : पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा बने अध्यक्ष

8 सदस्यीय कमेटी करेगी मॉनिटरिंग और कोआर्डिनेशन

भोपाल/नवप्रदेश। एमपी में शुरू हुई एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की कार्यवाही की मॉनिटरिंग के लिए कांग्रेस अलर्ट है। बिहार में मतदाता सूची के लिए हुए एसआईआर पर चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगा चुकी कांग्रेस ने अब एमपी में आयोग की पूरी कार्यवाही का मॉनिटरिंग के लिए 8 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने गठित कमेटी से कहा है कि पूरे एसआईआर कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ इसमें कोआर्डिनेशन का काम भी कमेटी में शामिल सदस्य और पार्टी नेता करेंगे। धनोपिया को चुनाव आयोग से संबंधित मामलों के प्रदेश प्रभारी कांग्रेस ने जेपी धनोपिया को चुनाव आयोग से संबंधित मामलों के लिए प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी सौंप रखी है और वे पिछले दिनों मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा बुलाई गई स्टैंडिंग कमेटी की मीटिंग में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग द्वारा तय टाइम और अन्य व्यवस्थाओं पर सवाल उठा चुके हैं।

7 फरवरी 2026 तक चलेगी प्रक्रिया

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया 8 फरवरी 2026 तक चलेगी। 3 नवंबर तक बीएलओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। 9 दिसंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा। 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक दावा आपत्तियों के आवेदन लिए जाएंगे। 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा।

भोपाल के हाई सिक्योरिटी जोन में फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

फरारी काटने में मदद करने वाली महिला सहित दो युवक भी पकड़े गए, लाइसेंसी बंदूक भी जब्त

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के हाई सिक्योरिटी जोन राजभवन के पास एमपी ऑनलाइन की शॉप संचालक पर फायरिंग करने वाले आरोपी को पुलिस ने मुरैना से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसकी मदद करने वाले दो युवकों और एक महिला को भी गिरफ्तार किया है। इतना ही नहीं पुलिस ने उसके पास से लाइसेंसी बंदूक भी बरामद कर ली है। एडीसीपी जोन-2 गौतम सोलंकी के मुताबिक फाइन एनक्लेव बीमाकुंज कोलार निवासी गोपाल विजयवर्गीय (45) राजभवन के पास शॉप नंबर-12 रोशनपुरा में श्रीश्याम ऑनलाइन एंड ई-टिकट नाम से शॉप चलाते हैं। 24 अक्टूबर की शाम गोपाल का बेटा श्याम विजयवर्गीय दुकान पर बैठा हुआ था। तभी आरोपी दीपेंद्र गुर्जर आया और क्यूआर कोड में 30 हजार रुपए की रकम ट्रांसफर करने के बाद वह विवाद करने लगा। आरोपी ने रकम को अपने खाते में ट्रांसफर करा लिया, लेकिन कैश देने में आनाकानी की। बार-बार रकम मांगने पर उसने दुकानदार पर फायर कर दिया। इतना ही नहीं उसने लाइसेंसी गन से फायरिंग कर दी थी। आरोपी दीपेंद्र गुर्जर भाजपा नेता लोकेंद्र सिंह गुर्जर का ड्राइवर था। आरोपी दीपेंद्र को पकड़ने के लिए पुलिस की चार टीमें लगी हुई थीं। पुलिस ने घेराबंदी कर मुरैना से दीपेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही फरारी के दौरान उसकी मदद करने वाले साहिब सिंह, गुलअफशा और देशराज सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस रेलवे स्टेशन के पास से गाड़ी को जब्त कर चुकी है।

लोकेंद्र सिंह गुर्जर पर भी होगी कार्रवाई

एडीसीपी गौतम सोलंकी ने बताया कि आरोपी दीपेंद्र ने भाजपा नेता लोकेंद्र सिंह गुर्जर की लाइसेंसी बंदूक से फायर किया था। चूंकि इस मामले में शस्त्र लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन किया है, इसलिए उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर भोपाल को

16 जिलों में बचे हुए किसानों का धान पंजीयन अब 6 नवंबर तक होगा

भोपाल/नवप्रदेश। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए बचे हुए किसानों का पंजीयन अब 6 नवंबर तक हो सकेगा। यह निर्णय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की विशेष पहल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसान-हितैषी सोच का परिणाम है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इस संबंध में सभी संबंधित जिलों के कलेक्टरों को आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार डिण्डौरी, मण्डला, बालाघाट, सतना, छिंदवाड़ा, शहडोल, अनूपपुर, दमोह, सिवनी, मैहर, उमरिया, जबलपुर, सीधी, अलीराजपुर, बैतूल और पन्ना जिलों में अब शेष किसानों का पंजीयन निर्धारित नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा। प्रदेश के कई जिलों से यह सुझाव प्राप्त हुए थे कि तकनीकी कारणों, समयाभाव या मौसम की बाधाओं के चलते कुछ किसान समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए पंजीयन नहीं करा पाए हैं। कलेक्टरों द्वारा भेजे गए इन प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करते हुए

स्थापना दिवस पर बोला विपक्ष, समृद्धि के साथ चुनौती भी

जीतू पटवारी बोले- सबसे ज्यादा बेरोजगार, कर्जदार, महिला असुरक्षा है एमपी में

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि देश के सबसे ज्यादा कर्जदार राज्यों में एमपी है और यहां आदिवासियों की एक लाख बहनें एक साल में गायब हुई हैं। सबसे अधिक बेरोजगार भी एमपी में हैं। उधर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी इस मामले में कहा है कि समृद्धि के साथ चुनौतियां भी एमपी में हैं। कई गांवों में बिजली नहीं पहुंची है।

दलित और महिलाएं सुरक्षा की तलाश में हैं। परीक्षा में गड़बड़ी के मामले भी हैं। इसे छिपाना नहीं रोकना होगा।

पटवारी ने एक्स पर अपलोड वीडियो में कहा है कि प्रदेश के स्थापना दिवस पर सबको बधाई देते हैं। पटवारी ने कहा कि आज हमारी स्थिति क्या है और हमारी स्थिति क्या होनी थीड़ ये दो सवाल महत्वपूर्ण हैं। सबसे बड़े बेरोजगार वाले प्रदेश में हमारा प्रदेश है। सबसे ज्यादा युवा बेरोजगार हमारे प्रदेश में हैंड़ यहां के 75 प्रतिशत ग्रामीण और शहरी युवा बेरोजगार हैं।

सबसे ज्यादा कर्जदार प्रदेश एमपी है। सबसे ज्यादा आदिवासी एमपी में रहते हैं। सबसे अधिक अत्याचार, वेदना सबसे अधिक एमपी में है। यह एससीआरबी के आंकड़े हैं। 70 फीसदी किसान कर्ज में हैं जिसमें से 90 फीसदी कर्ज में हैं। दलितों पर सबसे अधिक अत्याचार यहां हो रहा है। एक साल में आदिवासियों की 2 लाख बहनें गायब हुई हैं, यह सरकारी आंकड़ा है।

समृद्धि के साथ चुनौतियां भी हैं एमपी में- सिंघार

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर अपलोड वीडियो में कहा है कि मध्य प्रदेश स्थापना दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मध्य प्रदेश की पहचान सिर्फ नक्शों में नहीं, बल्कि हर नदी, हर घाटी और हर शहर की रगों में बसती है। यह प्रदेश अपने जंगलों, नदियों और जीवन से धन्य है।

यहां हर धर्म, हर जाति, हर भाषा और हर समुदाय मिलकर इस प्रदेश की अनोखी पहचान बनाते हैं। हमें ऐसा मध्य प्रदेश बनाना है जहां हर बच्चे को शिक्षा, हर महिला को सुरक्षा, हर हाथ को काम और हर दिल को सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि समृद्धि के साथ चुनौतियां भी एमपी में हैं। कई गांवों में बिजली नहीं पहुंची है।

दलित और महिलाएं सुरक्षा की तलाश में हैं। परीक्षा में गड़बड़ी के मामले भी हैं। इसे छिपाना नहीं रोकना होगा। स्थापना दिवस पर आइए, हम सब संकल्प लें, अपने इस मध्य प्रदेश को समृद्धि, समानता और संवेदना की मिसाल बनाएंगे।

ऑटोमोबाइल के विद्यार्थियों का औद्योगिक भ्रमण

अंतागढ़ / नवप्रदेश। ऑटोमोबाइल के विद्यार्थियों को औद्योगिक भ्रमण में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कलगांव अंतागढ़ -आज दिनांक 31/10 /2025 को शहीद राजेश पवार शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंतागढ़ के विद्यार्थियों को ऑटोमोबाइल ट्रेड में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कलगांव अंतागढ़ जिला उत्तर बस्तर कांकेर का भ्रमण कराया गया इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों को प्रायोगिक जानकारी उपलब्ध कराना है औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य अनिल कुमार खनडेकर ने अपने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संचालित डीजल मैकेनिक व फीटर व्यवसाय में बच्चों को वर्क शॉप ले जाकर समझाने के लिए कहा गया। डीजल मैकेनिक के प्रशिक्षण अधिकारी एच एम नाग सर के द्वारा बच्चों को बेसिक जानकारी उपलब्ध कराई गई। पेट्रोल इंजन व डीजल इंजन से चलने वाले वाहनों के विभिन्नताओं के बारे में बताया गया ,संस्था के फिटर व्यवसाय के प्रशिक्षण अधिकारी राजेश कुमार उपाध्याय के द्वारा ड्रिल मशीन ,वेल्डिंग मशीन एवं लेथ मशीन की जानकारी बच्चों को साझा की गई । लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन के कार्य के बारे में बच्चों को बताएं तथा भविष्य में आप व्यावसायिक में आगे औद्योगिक संस्था में कैसे कार्य करेंगे और बच्चों के द्वारा सर से प्रश्नोत्तरी भी किया गया जिनका बच्चों को सरलता पूर्वक उत्तर प्राप्त हुआ ।औद्योगिक भ्रमण में शहीद राजेश पवार शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंतागढ़ के प्राचार्य के निर्देशानुसार यह कार्य संपन्न कराया गया संस्था के प्राचार्य चंदन सिंह ठाकुर ,शर्मिला रानी कुमार, मधुसूदन यदु, राजरत्ना मौर्य, मोहिंदर सिंह जुर्री , चन्द्र कुमार ध्रुव,माखन सिंह वटटी,चेतन लाल ठाकुर, रुद्र प्रताप सोनी, गजेन्द्र कुमार साहू,गीतिका नाग, मुकेश कुमार अलेनिया,झरना साहू,गोदावरी गौर, करिश्मा ठाकुर,सुरेश कुमार बारले, प्रियंका सहारे , एवं ऑटोमोबाइल व्यावसायिक प्रशिक्षक देवेंद्र कुमार साहू आदि उपस्थित रहे।

कश्यप जयंती पर केशरवानी समाज की निकली भव्य शोभायात्रा

सारंगढ़ / नवप्रदेश। कश्यप जयंती पर केशरवानी समाज के द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई । यह शोभा यात्रा केशरवानी धर्मशाला से आरंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए निकली । शोभायात्रा में समाज के सैकड़ों महिला पुरुष पारंपरिक परिधानों में शामिल हुए और जयकारों के साथ माहौल को धार्मिक रंग में रंग दिया । जगह-जगह समाज जनों एवं स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया । आज़ाद चौक पर अग्रसेन सेवा संघ की ओर से विशेष स्वागत किया गया । संघ के सदस्यों ने समाज के लोगों को ठंडा पेयजल और मिष्ठान वितरित कर सेवा भावना का परिचय दिया । शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई केशरबानी धर्मशाला में जाकर समाप्त हुई , जहां सामूहिक पूजा - अर्चना एवं प्रसाद वितरण किया गया । समाज के पदाधिकारियों व देवेंद्र केशरबानी ने इस आयोजन को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने का प्रतीक बताया ।

सारंगढ़ में आज होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य और जिला स्तर पर रजत जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देशन में सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम 2 नवंबर से 4 नवंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 2 नवंबर को शाम 4 बजे मुख्य अतिथि रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, विशिष्ट अतिथि राजस्व, आपदा प्रबंधन, उच्च शिक्षा एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी ओपी चौधरी, जांजगीर चांपा लोकसभा सांसद, विधायक सारंगढ़ उत्तरी गनपत जांगड़े, विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक एवं जिले के समस्त जनपद पंचायत अध्यक्षों, जिला पंचायत सदस्यों, जनपद पंचायत सदस्यों, नगरीय निकाय के सदस्यों की उपस्थिति में किया जाएगा। शुभारंभ के बाद स्टॉल अवलोकन और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिले के चिन्हित विभाग अपने स्टॉल के माध्यम से अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी सहित योजना से जुड़े हितग्राहियों को सामग्री वितरण, प्रतीकात्मक चेक आदि अतिथियों के करकमलों से प्रदान किया जाएगा।

राज्योत्सव पर रोजगार का सुनहरा अवसर

बलरामपुर / नवप्रदेश। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राज्योत्सव में 03 नवम्बर 2025 को प्रातः 11 बजे हाई स्कूल ग्राउंड बलरामपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिष्ठित संस्थान एस.बी.आई. लाइफ इंश्योरेंस, इंफोटेक इंडिया प्रा.लि. रायपुर, महावीर ट्रैक्टर बलरामपुर, एस.आई.एस. सिक्योरिटी गार्ड, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा.लि. द्वारा विभिन्न पदों पर चयन कर रोजगार प्रदान किया जायेगा। जिसमें लाईफ मित्र, सेल्स एग्जीक्टिव, टीम मैनेजर, ग्राम पंचायत प्रोडक्ट एडवाइजर, सेल्स बॉय, सुरक्षा जवान, सुपरवाइजर, फील्ड ऑफिसर एवं कलेक्शन ऑफिसर सहित कुल 653 पदों पर भर्ती की जाएगी। आवेदक इन सभी पदों के लिए ई-रोजगार पोर्टल एवं सीजी रोजगार एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदक साक्षात्कार हेतु अपना संपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज के साथ निर्धारित स्थान एवं तिथि को उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बलरामपुर व मोबाइल नम्बर 07831299158, 7587720774 पर संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे के समक्ष दी गई मास्टर ट्रेनरों को एसआईआर प्रशिक्षण

4 नवंबर से 4 दिसंबर तक होगा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

घर-घर जाकर बीएलओ करेंगे मतदाताओं से संपर्क

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के जिला निर्वाचन मास्टर ट्रेनर द्वारा सारंगढ़, बरमकेला और बिलाईगढ़ ब्लॉक के निर्वाचन मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश सर्वे, निर्वाचन पर्यवेक्षक हरिकिशन डनसेना, कुंजबिहारी गहरे आदि उपस्थित थे।

जिला मास्टर ट्रेनर चूड़ामणि गोस्वामी ने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने क्षेत्र में निर्वाचन के इस कार्य को शुरू करने के पहले अपने क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को सूचना दें कि इस अवधि तक यह कार्य इस क्षेत्र में करने जा रहे हैं। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से मिलकर उन्हें इस एसआईआर की जानकारी देंगे फिर गणना पत्रक में मतदाता के नवीनतम फोटो चिपकाना होगा। दो गणना पत्रक में एक फार्म भरकर बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा किया जाना है और एक पत्रक मतदाता के पास रहेगा। गणना पत्रक में मतदाता का प्रारंभिक जानकारी देना होगा। फिर प्रपत्र के नीचे बायीं ओर वर्ष 2023 में विशेष गहन पुनरीक्षण किए गए यदि मतदाता का नाम हो, तब उसकी जानकारी भरी जाएगी। यदि जानकारी नहीं है तो उस कॉलम को छोड़ा (रिक्त) जाएगा। दायीं ओर उस मतदाता के माता-पिता, (रिश्तेदार दादा, चाचा) का नाम यदि वर्ष 2023 के विशेष गहन पुनरीक्षण किए गए सूची में हो तो उस कॉलम में दर्ज करेंगे। यदि मतदाता और मतदाता के रिश्तेदारों का वर्ष 2023 के विशेष गहन पुनरीक्षण किए गए सूची में नाम दर्ज नहीं है तो उन्हें 13 बिन्दु के दस्तावेज, घोषणा पत्र के साथ भरकर जमा करना होगा। जिला मास्टर ट्रेनर एस आर अजय ने प्रशिक्षण में एसआईआर के कार्यक्रम अवधि की जानकारी दी गई।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अवधि

1 मुद्रण-प्रशिक्षण कार्य 28.अक्टूबर .2025 से 03.नवंबर .2025 तक
2 घर घर गणना चरण अवधि (घर-घर जाकर सत्यापन) कार्य 04.नवंबर.2025 से 04.दिसंबर .2025 तक
3 मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन 09.दिसंबर 2025
4 दावे और आपत्ति की अवधि 09.दिसंबर 2025 से 08.जनवरी 2026 तक
5 नोटिस चरण (सुनवाई और सत्यापन) 09.दिसंबर 2025 से 31.जनवरी .2026
6 मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 07.फरवरी 2026

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का कलेक्टर ने निरीक्षण कर मरीजों का हाल जाना

■ **कलेक्टर ने हॉस्पिटल के जीर्णोद्धार और विकास कार्यों का जायजा लेकर जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए**

सारंगढ़ बिलाईगढ़ / नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने सोनोग्राफी सेंटर, एक्स-रे रूम, फॉर्मेसी कक्ष सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने वहां चल रहे सभी निर्माणाधीन विकास कार्यों को जायजा लेकर अधिकारियों को जनवरी 2026 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करने तथा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने बिलाईगढ़ अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों से भी चर्चा कर उनका हालचाल जाना। मरीजों से डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति एवं उपचार की गुणवत्ता की जानकारी भी ली।

उन्होंने कहा कि ÷इस अस्पताल को हम प्राइवेट अस्पतालों की तर्ज पर विकसित कर रहे हैं ताकि मरीजों को सभी सुविधाएँ एक ही स्थान पर मिल सकें।

सोनोग्राफी मशीन शुरू

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ को प्राप्त सोनोग्राफी मशीन को एक माह पूर्व से चालू किया गया है। इससे मरीजों को इलाज कराने में मदद मिलेगी।

गोपालपुर समिति के किसान पंजीयन का लिया जायजा

धान खरीदी कार्य में किसी प्रकार की रुकावट को शीघ्र दूर करने के दिए निर्देश कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम गोपालपुर के सहकारी समिति का आकस्मिक निरीक्षण किया और वहां एग्रीस्टेक के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने इस समिति में उपस्थित किसानों से उनके एग्रीस्टेक पंजीयन की पूर्णता के बारे में पूछताछ किया। कलेक्टर ने पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, तहसीलदार और एसडीएम से निर्देश दिए कि किसानों के धान खरीदी कार्य में किसी प्रकार की रूकावट बाधा को शीघ्र निराकरण करें। इस दौरान एसडीएम प्रफुल्ल रजक, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार कमलेश और देवराज सिदार उपस्थित थे।

राजस्व सेवा में बढ़ती गति और सुविधा – कोरबा जिले की 25 वर्षों की उपलब्धि

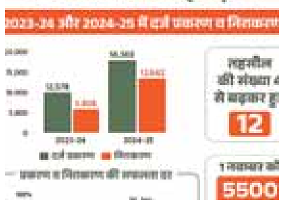

कोरबा / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन वर्ष 2000 में कोरबा जिले में मात्र चार तहसीलें - कोरबा, करतला, कटघोरा और पाली ही हुआ करती थीं। उस समय सीमित प्रशासनिक ढांचे के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अपने राजस्व प्रकरणों के समाधान के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। प्रकरणों की अधिकता और सीमित संसाधनों के कारण न्याय मिलने में भी देरी होती थी।

बीते 25 वर्षों की विकास यात्रा में कोरबा जिले ने प्रशासनिक विस्तार और जनता की सुविधा की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। बढ़ती जनसंख्या और ग्रामीण अंचलों की जरूरतों को देखते हुए राज्य सरकार ने लगातार नई तहसीलों का गठन किया। आज जिले में कुल 12 तहसीलें कार्यरत हैं- कोरबा, करतला, कटघोरा, पाली, पोड़ीउपरोड़ा, अजगरबहार, भैसमा, बरपाली, दर्री, दीपका, हरदीबाजार और पसान। विगत वर्षों में बनी नई तहसीलों ने राजस्व सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

नई तहसीलों के गठन वर्षः पोड़ीउपरोड़ा -2008, हरदीबाजार - 2020, दर्री -2020, अजगरबहार - 2022, भैसमा - 2022, बरपाली - 2022, दीपका - 2022, पसान - 2022, इन नई तहसीलों के गठन से न केवल ग्रामीणों की प्रशासनिक पहुंच आसान हुई, बल्कि राजस्व मामलों के निपटारे में भी तेजी और पारदर्शिता आई है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा राजस्व के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए न सिर्फहर 15 दिनों में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली जाती है ।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्योत्सव कार्यक्रम

बलरामपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत जयंती 2025 के अवसर पर जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन 02 से 04 नवम्बर तक सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ट आतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुपालन विकास मंत्री रामविचार नेताम, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, उपाध्यक्ष धीरज सिंहदेव, जनपद पंचायत बलरामपुर अध्यक्ष सुमित्रा चेरवा, नगरपालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का शामिल होंगे। इसके साथ ही राज्य स्थापना दिवस पर स्थानीय प्रस्तुतियों के साथ आमंत्रित कलाकारों द्वारा संध्याकालीन प्रस्तुति दी जाएगी।

राज्यपाल 3 नवम्बर को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर

बलरामपुर / नवप्रदेश। जिला अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं के प्रगति की करेंगे समीक्षा

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका 03 नवम्बर को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर रहेंगे। प्रवास के दौरान राज्यपाल द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रही शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी के हाथों सम्मानित हुए बलरामपुर के कृष्णा पहाड़ी कोरवा

■ **पीएम जनमन योजना के तहत पहला आवास हितग्राही जिसे पीएम के हाथों सम्मानित होने का मिला अवसर**

बलरामपुर / नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्षगांठ पर आयोजित रजत जयंती समारोह का मंच उस समय तालियों से गूंज उठा, जब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम गोविंदपुर (सरगढ़ी) के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के कृष्णा पहाड़ी कोरवा को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ।कृष्णा और उनकी पत्नी दोनों दृष्टिबाधित हैं। जीवन की चुनौतियों और सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वर्ष 2023-24 में उन्हें प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ।

संकल्प और श्रम से उन्होंने उस आवास को स्वयं के प्रयासों से पूरा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कराया 3.51 लाख आवासों का वर्चुअल गृहप्रवेश

■ **बलरामपुर जिले के 16 हजार से अधिक परिवारों ने पक्के घर में रखा पहला कदम**

बलरामपुर / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस एवं रजत जयंती महोत्सव के ऐतिहासिक अवसर पर आज राजधानी रायपुर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 3 लाख 51 हजार लाभार्थियों के पक्के घरों का सामूहिक गृहप्रवेश कराया। यह आनंद का क्षण है जब हजारों परिवारों ने अपने सपनों के घर में प्रवेश कर अपने पक्के घर का सपना साकार होते देखा। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी उत्सव जैसा माहौल है, जहां जिले के 16 हजार 760 हितग्राहियों को नए आवासों का सामूहिक गृहप्रवेश ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने अपने खुशी के इस अवसर को परिवार और पड़ोसियों के साथ साझा किया।

जिले के सभी विकासखंडों में हजारो परिवारों का सपना हुआ साकारजिले के सभी विकासखंडों में सामूहिक गृहप्रवेश के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसके अंतर्गत विकासखंड बलरामपुर में 2643 आवास, कुसमी में 2542 आवास, राजपुर में 2103 आवास, रामचंद्रपुर में 4084 आवास, शंकरगढ़ में 1706 आवास, तथा वाड्रफनगर में 3682 आवास लाभार्थियों का गृहप्रवेश कराया गया। इन सभी हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से चाबी सौंप खुशियां साझा की गई। जहां ग्राम पंचायत में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीण उत्सव के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

जनपद पंचायत वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत सुलसुली में विकासखंड स्तरीय गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 05 आवास हितग्राहियों को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया और प्रतीकात्मक चाबी प्रदान कर उनका गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर लाभार्थी रुकल ग्राम सुलसुली निवासी ने भावुक होकर कहा हम वर्षो से मिट्टी के घर में रह रहे थे। तब हमने बहुत परेशानी का सामना किया। आज प्रधानमंत्री आवास योजना की वजह से हमें पक्का घर मिला है, यह हमारे लिए उपहार है। इसके लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने हम गरीबों को अपना सपना समझ पूरा करने में मदद की। कार्यक्रमों में उत्साह देखने को मिला जहां नए घर की चाबी हाथ में आते ही अनेक जन भावविभोर हो गए।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर मिला आवास का उपहार

राज्य स्थापना दिवस और रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर आयोजित यह गृहप्रवेश कार्यक्रम छत्तीसगढ़वासियों के लिए आवास पर्व साबित हुआ। राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से लाखों हितग्राहियों को गृहप्रवेश कराया जहां हर गांव, हर घर में खुशियों की लहर है। जिले में भी आज का दिन ऐतिहासिक बन गया जब हजारों परिवारों ने अपने नए घर की चौखट पर कदम रखकर नए जीवन की शुरुआत की। यह बढ़ते विकास और नए भारत की झलक है।

प्रथम पेज का शेष

जन-जन के सहयोग से विकसित

मध्यप्रदेश में 9 एयरपोर्ट हो जायेंगे। कार्यक्रम में रीवा-नई दिल्ली फ्लाइट के लिए अलायंस एयरलाइंस को और रीवा-इंदौर फ्लाइट के लिए इंडिगो एयरलाइंस के पदाधिकारियों को अनुबंध पत्र सौंपे गए। साथ ही प्रदेश के तीन सेक्टर्स में पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा के लिए अनुबंध पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के नागरिकों को एक मंच पर सभी शासकीय सेवाएं सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से %एमपी ई-सेवा% और उद्योग व निवेश सेवाओं को डिजिटल रूप से सरल व पारदर्शी बनाने वाले %इन्वेस्ट एमपी 3.0% पोर्टल का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता सेवाओं से नई तकनीकी ऊर्जा को जो?ने वाले ÷वॉश ऑन व्हील्स÷ मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम में उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 में प्रदेश में हुए कार्यों को भी लघु फिल्म के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। एम.पी. ई-सेवा वेब पोर्टल एंड मोबाइल ऐप, इनवेस्ट एमपी 3.0 पोर्टल और वॉश ऑन व्हील्स मोबाइल ऐप पर लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

भारतीय संस्कृति के तेजस्वी

महाकवि बनना इसका प्रमाण है। सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्नों में शामिल साहित्य के शिखर पुरुष महाकवि कालिदास की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह एक प्रतिष्ठित समारोह है, जो संस्कृत और साहित्य को एक सूत्र में पिरोता है। 66 साल पहले देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद कालिदास समारोह के प्रथम आयोजन में उज्जैन पधारे थे।

अगले 25 साल के नए

के आप सभी भाइयों-बहनों ने मिलकर अनेक उपलब्धियां हासिल की है। जो बीज 25 साल पहले बोया गया था आज यह विकास का वृक्ष बन गया है। आज छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर, नया विधानसभा मिला है पीएम मोदी ने कहा कि यहां आने से पहले मुझे एक जनजातीय संग्रहालय को देने का अवसर मिला। 14 हजार करोड़ रुपए की योजना का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया तो आपको बधाई। साथियों, साल 2000 के बाद यहां एक पूरी पीढ़ी बदल गई है। यहां युवाओं की एक पूरी पीढ़ी है। पीएम मोदी ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ बना था तब गांवों तक पहुंचना मुश्किल था। गांवों में सड़कें नहीं थी। आज 40 हजार किलोमीटर तक सड़कों का नेटवर्क पहुंच चुका है। 11 साल में छत्तीसगढ़ में

न्यूज गैलरी

चीन की औद्योगिक गतिविधि लगातार सातवें महीने घटी, अमेरिकी टैरिफ से पड़ा असर

नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने जानकारी दी कि अमेरिकी टैरिफ के कारण औद्योगिक गतिविधियों में लगातार सातवें महीने गिरावट आई है। हालांकि हाल ही में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध पर अस्थायी समझौते की घोषणा से निर्यात और औद्योगिक गतिविधियों में सुधार की उम्मीद बनी है।चीन की औद्योगिक गतिविधि अक्तूबर में लगातार सातवें महीने सिकुड़ी है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश का आधिकारिक विनिर्माण परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) सितंबर के 49.8 से घटकर अक्तूबर में 49 पर आ गया। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने यह जानकारी फैक्ट्री प्रबंधकों के सर्वेक्षण के आधार पर दी।

यह आंकड़ा बाजार अनुमान से भी कमजोर रहा है और 50 के स्तर से नीचे होने का मतलब है कि विनिर्माण क्षेत्र में संकुचन जारी है। हालांकि हाल ही में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध पर अस्थायी समझौते की घोषणा से निर्यात और औद्योगिक गतिविधियों में सुधार की उम्मीद बनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी बैठक के बाद अमेरिका चीन पर फेंटानिल से संबंधित टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर देगा। इससे चीनी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ 57 प्रतिशत से घटकर 47 प्रतिशत हो जाएगा। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री टेलर वांग ने शुक्रवार को एक नोट में लिखा कि अमेरिकी टैरिफ कटौती का मतलब है कि चीनी निर्यात अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल करने में सक्षम होंगे और हम जल्द ही अमेरिका को प्रत्यक्ष निर्यात में कुछ सुधार देख सकते हैं।

शेयर बाजार में तेजी; सेंसेक्स 132 अंक चढ़ा, निफ्टी 25900 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय बाजार सपाट खुले। वहीं पिछले दिन यानी गुरुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 592.67 अंक गिरकर 84,404.46 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 176.05 अंक गिरकर 25,877.85 अंक पर आ गया। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को सपाट रुख के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी उतार-चढ़ाव के बीच सीमित दायरे में रहे, क्योंकि निवेशकों ने रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब सतर्क रुख अपनाया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 132.77 अंक चढ़कर 84,537.23 अंक पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37 अंक बढ़कर 25,914.85 अंक पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कम कीमतों और कमजोर अमेरिकी मुद्रा के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया कुछ सुधार के साथ 5 पैसे बढ़कर 88.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मिलेगा बढ़ावा

आईसीईए और जीएसए ने रणनीतिक साझेदारी का किया ऐलान

बेंगलुरु। इंडिया सेलुलर और इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) और ग्लोबल सेमीकंडक्टर एलायंस (जीएसए) ने शुक्रवार को रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया और इसका उद्देश्य देश को ग्लोबल सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में एकीकृत करना है।

यह घोषणा बेंगलुरु में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई, जो आईसीईए और जीएसए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंडिया सेमीकंडक्टर लीडरशिप राउंडटेबल के साथ हुई। भारत की पॉलिसी और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के साथ आईसीईए की गहरी भागीदारी और सेमीकंडक्टर क्षेत्र के अग्रणी लोगों के जीएसए के बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को मिलाकर, इस साझेदारी का उद्देश्य सीमा पार सहयोग को सुविधाजनक बनाना, वैल्यू चेन में विविधीकरण को मजबूत करना और वैश्विक सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करना है।

इस साझेदारी के तहत, आईसीईए और जीएसए ने संयुक्त रूप से बेंगलुरु में 'इंडिया सेमीकंडक्टर लीडरशिप राउंडटेबल' का उद्घाटन किया, जिसमें वैश्विक और भारतीय सेमीकंडक्टर लीडर्स और सीनियर पॉलिसीमेकर्स ने हिस्सा लिया। इस साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए, आईसीईए और जीएसए 2026 में संयुक्त रूप से 'इंडिया सेमीकंडक्टर लीडरशिप समिट' का आयोजन करेंगे, जिसकी तारीख की पुष्टि होना अभी बाकी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के सीईओ अमितेश कुमार सिन्हा के अनुसार,

आईसीईए और जीएसए की साझेदारी समयोचित और रणनीतिक दोनों है। उन्होंने कहा, यह ग्लोबल फैबलेस इकोसिस्टम को भारत के बढ़ते डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग आधार से जोड़ता है, जिससे भारतीय फैबलेस चैंपियनों, आगामी भारतीय फाउंड्रीज और पैकेजिंग यूनिट्स की फंडिंग के लिए मार्ग तैयार होता है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत, सरकार ने सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के निर्माण के लिए 76,000 करोड़ रुपए के परिव्यय को मंजूरी दी है। लगभग 1.6 लाख करोड़ रुपए की निवेश प्रतिबद्धताओं वाली लगभग 10 प्रोजेक्ट्स को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जिनमें एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, एटीएमपी/ओएसएटी सुविधाएं और कंपाउंड-सेमीकंडक्टर पहल शामिल हैं, जो कार्यान्वयन की मजबूत गति का संकेत देती हैं।

सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली

सोने में फिर लौटी तेजी, कीमत 1.20 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार

मुंबई। सोने की कीमतों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली, जिससे पीली धातु का दाम फिर से 1.20 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,20,770 रुपए पर हो गई है। इससे पहले गुरुवार को सोने की 1,19,619 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 24 कैरेट के सोने में 24 घंटों में 1,151 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है।

22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 1,10,625 रुपए हो गई है, जो कि इससे पहले 1,09,571 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 90,578 रुपए हो गया है, जो कि पहले 89,714 रुपए प्रति 10 ग्राम था। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है और बीते 24 घंटों में कीमत 2,342

रुपए बढ़कर 1,49,125 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है, जो कि पहले 1,46,783 रुपए प्रति किलो थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 05 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.44 प्रतिशत बढ़कर 1,22,039 रुपए और चांदी के 05 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.46 प्रतिशत बढ़कर 1,49,520 रुपए पर पहुंच गया है। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला और हालांकि, यह दिन के अंत में सकारात्मक बंद हुआ। रिस्क सेंटीमेंट में वृद्धि बुलियन मार्केट को सपोर्ट कर रही है। सोने के लिए सपोर्ट 1,18,000 रुपए और रुकावट का स्तर 1,24,000 रुपए पर है।

उन्होंने आगे कहा कि बाजार अमेरिका-चीन और अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर स्पष्टता का इंतजार कर रहा है और यह व्यापार समझौते आने वाले समय में सोने को दिशा देने में अहम भूमिका निभाएंगे। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त हुई है। कॉमेक्स पर सोने का दाम 0.70 प्रतिशत बढ़कर 4,043 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 0.22 प्रतिशत बढ़कर 48.72 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

फेड की दर कटौती के बाद दिसंबर में नई कटौती की संभावना घटी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की रिपोर्ट के अनुसार फेडरल रिजर्व की ओर से मौद्रिक नीति दर में 25 आधार अंकों की कटौती के बाद दिसंबर में एक और दर कटौती की उम्मीद कम हो गई है। इसमें कहा गया है कि फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल का अपेक्षाकृत सख्त रुख रहा। उन्होंने दिसंबर में एक और दर कटौती की संभावना को काफी हद तक खारिज करते हुए संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक भविष्य की नीति में अधिक सतर्क रुख अपनाएगा। फेडरल रिजर्व की ओर से मौद्रिक नीति दर में 25 आधार अंकों की कटौती के बाद दिसंबर में एक और दर कटौती की संभावना अब कुछ कम हो गई है। आईसीआईसीआई बैंक की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के हालिया संकेतों और श्रम बाजार से जुड़े आर्थिक आंकड़ों में संभावित देरी को देखते हुए दिसंबर में 25 आधार अंकों की नई कटौती की उम्मीद कुछ घट गई है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपनी ताजा बैठक में नीति दर को 25 आधार अंकों तक घटाकर 3.75 से 4.00 प्रतिशत के दायरे में ला दिया। यह कदम बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप था और इसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था में वृद्धि को संतुलित रखते हुए महंगाई पर नियंत्रण बनाए रखना है। हालांकि ब्याज दरों में कटौती का फैसला सर्वसम्मति से नहीं हुआ। कमेटी के सदस्य मीरान ने 50 आधार अंकों की बड़ी कटौती का समर्थन किया, जबकि सदस्य श्मिड ने दरों अपरिवर्तित रखन का मत दिया। रिपोर्ट के अनुसार, यह असहमति फेड की नीति दिशा में मौजूद अनिश्चितता को दर्शाती है, क्योंकि केंद्रीय बैंक अब भी विकास और मुद्रास्फीति, दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश में है। नीतिगत बयान में पिछले बैठक के मुकाबले अधिक बदलाव नहीं किया गया, हालांकि इसमें यह उल्लेख किया गया कि अमेरिकी सरकार के शटडाउन के कारण कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों का प्रकाशन प्रभावित हुआ है। बैठक की सबसे बड़ी चौंकाने वाली बात फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल का अपेक्षाकृत सख्त रुख रहा। उन्होंने दिसंबर में एक और दर कटौती की संभावना को काफी हद तक खारिज करते हुए संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक भविष्य की नीति में अधिक सतर्क रुख अपनाएगा।

खेल, मनोरंजन

38 साल की उम्र में रचा इतिहास, रोहित शर्मा पहली बार बने नंबर-1 वनडे बल्लेबाज

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार पारियां खेलने के बाद रोहित शर्मा ने पहली बार बल्लेबाजों की आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। 38 वर्षीय रोहित इस मुकाम को छूने करने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए हैं। एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 73 रन की पारी खेलने के बाद सिडनी में नाबाद 121 रन बनाने वाले रोहित शर्मा बल्लेबाजों की रैंकिंग में 2 स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष पर पहुंचे हैं। वनडे फॉर्मेट में 33 शतक लगाने वाले रोहित शर्मा ने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली (74*) के साथ अटूट साझेदारी करते हुए भारत को तीसरे वनडे मुकाबले में 9 विकेट से शानदार जीत दिलाई थी। हालांकि, टीम इंडिया सीरीज नहीं बचा सकी। रोहित ने इस लिस्ट में अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और भारतीय टीम के अपने साथी शुभमन गिल को पीछे छोड़ते हुए पहली बार वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजों की शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। 38 वर्षीय रोहित पिछले एक दशक में ज्यादा समय टॉप 10 में रहे हैं। रोहित के अलावा, स्पिनर अक्षर पटेल को भी सिडनी में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अक्षर वनडे गेंदबाजों की सूची में 6 पायदान की छलांग लगाकर 31वें स्थान पर, जबकि वनडे ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 4 पायदान के सुधार के साथ 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वनडे गेंदबाजों की सूची को देखें, तो टॉप

10 में न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सेंटनर 3 पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड 2 पायदान ऊपर 8वें स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के दाएं हाथ के गेंदबाज हैरी ब्रूक 23 पायदान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की सूची में 25वें स्थान पर आ गए हैं। साउथ अफ्रीका ने रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की, जिसके बाद नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। साउथ अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर केशव महाराज 9 विकेट लेने के बाद टेस्ट गेंदबाजों की सूची में 9 पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके साथी साइमन हार्मर उसी मैच की दूसरी पारी में 6 विकेट लेने के बाद 26 पायदान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर आ गए हैं।

पीकेएल : दूसरे खिताब पर दबंग दिल्ली की नजरें

नई दिल्ली। दबंग दिल्ली केसी ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, जहां शुक्रवार को उसका सामना पुणेरी पल्टन से होगा। दबंग दिल्ली इस सीजन की सबसे प्रभावशाली टीमों में से एक बनकर उभरी है। सीजन 8 की चैंपियन टीम अब अपने दूसरे प्रो कबड्डी लीग खिताब पर नजर गड़ाए हुए है। इस सीजन टीम ने अपने मजबूत इरादों, रणनीतिक कौशल और टीम की मजबूती का प्रदर्शन किया है। इस फ्रेंचाइजी ने सीजन 12 की शुरुआत शानदार अंदाज में की। टीम ने लगातार छह मैच जीतकर खुद को खिताब के दावेदार के रूप में स्थापित कर दिया। पटना पाइरेट्स (30-33) से मिली मामूली हार ने उनकी शानदार शुरुआत को कुछ समय के लिए रोक दिया, लेकिन इस हार ने उनके जुझारूपन को फिर से जगाया। टीम ने शानदार वापसी की और लगातार पांच 5 जीत हासिल करते हुए प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई। क्वालीफिकेशन सुनिश्चित होने के बाद, दबंग दिल्ली केसी ने अपनी बेंच स्ट्रेंथ को परखने का फैसला किया। संयोजनों के साथ प्रयोग करने के बावजूद, उन्होंने अपने अंतिम 3 मुकाबलों में से केवल 1 में जीत हासिल की। इसी के साथ लीग चरण का समापन 13 जीत और 5 हार के साथ किया, जिससे वह अंक तालिका में पुणेरी पल्टन के ठीक बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। बहुप्रतीक्षित क्वालीफायर-1 मुकाबले में, दबंग दिल्ली केसी का सामना प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर काबिज पुणेरी पल्टन से हुआ, जो एक रोमांचक मुकाबला था। यह मैच रोमांचक टाई पर समाप्त हुआ, जो इस सीजन में दोनों टीमों के बीच लगातार तीसरा ड्रॉ था। अंततः मुकाबला टाई-ब्रेकर में तय हुआ, जहां दबंग दिल्ली केसी 6-4 से जीत हासिल करते हुए पीकेएल सीजन 12 के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई। जीत के बाद दबंग दिल्ली केसी के हेड कोच जोगिंदर नरवाल ने अपनी टीम के हरफनमौला प्रदर्शन पर भरोसा जताते हुए कहा, इस टीम ने पूरे सीजन निरंतरता और जज्बा दिखाया है। हर खिलाड़ी ने जरूरत पड़ने पर अच्छा प्रदर्शन किया। हमारा पूरा ध्यान ट्रॉफी दिल्ली वापस लाने पर है। पुणेरी पल्टन हमारे लिए एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी रही है।

अल्कारेज को पेरिस मास्टर्स में मिली हार, टूर्नामेंट में विजयी अभियान रुका

पेरिस। छह बार के ग्रैंड स्लैम विजेता अल्कारेज ने मंगलवार को दूसरा सेट हारने के बाद कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ भी चर्चा की, लेकिन यह भी उनके काम नहीं आया। इस हार के साथ ही अल्कारेज का मास्टर्स प्रतियोगिताओं में 17 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी टूट गया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कारेज का पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में चला आ रहा विजयी अभियान रुक गया है। अल्कारेज को दूसरे दौर में गैरवरीयता प्राप्त कैमरन नूरी से हार का सामना करना पड़ा। अल्कारेज ने पहला सेट जीता था, लेकिन इसके बाद नूरी ने अगले दो सेट जीतकर मुकाबला 4-6, 6-3, 6-4 से अपने नाम किया। अल्काराज ने मैच के बाद कहा, मैं अपने खेल से वास्तव में निराश हूं। मुझे अच्छा नहीं लग रहा था और मैंने बहुत सारी गलतियां की। छह बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने मंगलवार को दूसरा सेट हारने के बाद कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ भी चर्चा की, लेकिन यह भी उनके काम नहीं आया। इस हार के साथ ही अल्कारेज का मास्टर्स प्रतियोगिताओं में 17 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी टूट गया। यही नहीं उन्हें अपनी नंबर एक रैंकिंग से भी हाथ धोना पड़ सकता है क्योंकि अगर दूसरे स्थान पर काबिज यानिक सिनर यह टूर्नामेंट जीत जाते हैं तो वह एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएगे।

कांतारा : चैप्टर 1 वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस में जलवा, 852 करोड़ का आंकड़ा किया पार, रचा नया इतिहास!

होम्बले फिल्म्स और ऋषभ शेट्टी की कांतारा: चैप्टर 1 ने भारतीय सिनेमा और कहानी कहने के अंदाज़ को नए सिरे से परिभाषित किया है. लगभग एक महीने पहले रिलीज हुई यह फिल्म अब एक वैश्विक सनसनी बन चुकी है. दर्शकों को अपनी अद्भुत विज़ुअल्स और लोककथाओं को जीवंत करने की अनोखी शैली से मंत्रमुग्ध कर रही है. रिलीज के बाद से ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस के सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है और अपने पहले भाग की तुलना में दोगुनी कमाई कर चुकी है. दिवाली के दौरान यह फिल्म सबसे बड़ी विजेता साबित हुई है. अपनी दैविक कथा-वाचन शैली, गहरी सांस्कृतिक जड़ों और असाधारण सिनेमाई दृष्टि के साथ, कांतारा: चैप्टर 1 दुनियाभर के दर्शकों को मोहित कर रही है. अपनी इस अजेय दौड़ को और मजबूत करते हुए, फिल्म ने अब ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है. वर्ल्डवाइड 852 करोड़ की कमाई पार कर और खुद को भारतीय सिनेमा की सबसे प्रशंसित और रिकॉर्ड-तोड़ फिल्मों में शामिल कर लिया है.ये विशाल आंकड़े साबित करते हैं कि यह फिल्म दुनियाभर के दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर चुकी है, और सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। ऋषभ शेट्टी के शानदार अभिनय, दमदार संगीत, अद्भुत सिनेमाटोग्राफी और मनमोहक पृष्ठभूमि ने कांतारा:

चैप्टर 1 को एक सच्चा ब्लॉकबस्टर बना दिया है। अब फिल्म अपने ग्लोबल सफर को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार है, क्योंकि यह 31 अक्टूबर 2025 को अंग्रेज़ी भाषा में रिलीज़ होने जा रही है.

कांतारा: चैप्टर 1, जिसे ऋषभ शेट्टी ने निर्देशित किया है, 2022 की ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा का प्रीक्वल है, जो समीक्षकों और दर्शकों, दोनों के बीच जबरदस्त सफल रही थी। यह अध्याय चौथी सदी ईस्वी में स्थापित है और कांतारा की पवित्र भूमि की रहस्यमयी उत्पत्ति की कहानी को उजागर करता है, यह फिल्म उसकी प्राचीन पौराणिक कथाओं, शाश्वत संघर्षों और दिव्य हस्तक्षेपों की गहराई में उतरती है, लोककथाओं, आस्था और अग्नि से जन्मी एक ऐसी गाथा जो इस धरती की आत्मा से उपजी है।

कल्याणजी गोगाना की मारियो का पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य जोरों पर, नवंबर में सिनेमाघरों में रिलीज

निर्देशक कल्याणजी गोगाना, जिन्होंने नाटकम और तीस मार खान जैसी विशिष्ट, विषय-वस्तु से प्रेरित फिल्मों से प्रसिद्धि पाई, एक और दिलचस्प फिल्म मारियो लेकर आ रहे हैं । ऊर्जावान टैगलाइन ए टर्बो-चार्ज्ड रैंप राइड के साथ, यह फिल्म रोमांच और मनोरंजन का एक मनोरंजक मिश्रण पेश करती है। अपनी पहली फिल्म के रूप में, अनिरुद्ध इसमें खूबसूरत हेबा पटेल के साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण सिल्वर स्क्रीन प्रोडक्शंस ने रिज़वान एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया है। फिल्मांकन पूरा होने के साथ, मारियो वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है। निर्माता नवंबर में रिलीज़ की उम्मीद कर रहे हैं, जिसकी सटीक तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। शीर्षक का खुलासा, प्रथम झलक और प्रचार पोस्टरों ने पहले ही काफी चर्चा पैदा कर दी है, जिससे फिल्म के प्रति उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं।एक प्रतिभाशाली टीम ने मारियो को जीवंत किया है। एमएन रेड्डी ने छायांकन का जिम्मा संभाला है, जबकि संपादन का काम मणिकांत और मादी मन्नेपल्ली ने संभाला है।

संगीत साई कार्तिक ने रचा है, और राकेन्दु मौली ने संगीत के साथ-साथ फिल्म की कहानी और संवादों में भी योगदान दिया है। हास्य और रहस्य के अपने विशिष्ट मिश्रण के लिए प्रसिद्ध कल्याणजी गोगाना, मारियो के साथ एक और अविस्मरणीय सफर पेश करने के लिए तैयार हैं, जो अलग होने का साहस करता है और जनता को प्रसन्न करता है।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर राजस्व मंत्री ने किया ध्वजारोहण

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की नागरिकों को दी शुभकामनाएं

कलेक्ट्रेट परिसर में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह आयोजित

सीहोर/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने ध्वजारोहण किया। समारोह में अनेक स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये। स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि एक नवंबर को मध्यप्रदेश अपनी स्थापना के 70वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1956 को गठित यह राज्य न केवल भारत के हृदय में स्थित है, बल्कि देश के विकास मानचित्र पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की यह 70 वर्षों की यात्रा समर्पण, संकल्प और सतत विकास की सुखद यात्रा रही है। यह दिन हमें हमारे पूर्वजों की मेहनत, उनके जज्बे, जनभागीदारी से विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी एवं हम सभी की आस्था और निष्ठा की याद दिलाता है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि इन वर्षों में प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले ने भी कई क्षेत्रों में प्रगति के नये आयाम स्थापित किये हैं। प्रदेश के साथ ही जिले में विकास, जनकल्याण और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों का साक्षी रहा है। प्रशासनिक दक्षता, जनभागीदारी और नवाचार की भावना के साथ जिले ने शासन की विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा है। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में न केवल

जिले के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं, बल्कि सीहोर को प्रदेश के अग्रणी जिलों में स्थान दिला रही हैं। उन्होंने सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली बालिकाओं के दल को दस-दस हजार रूपये तथा गीत प्रस्तुति के लिये बालक अगस्त गुप्ता को पांच हजार रूपये पुरस्कार के रूप में देने की घोषणा की। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर ब्लू वर्ल्ड स्कूल द्वारा लोकगीत, सांदीपनि विद्यालय द्वारा लोक नृत्य तथा कन्या परिसर की छात्राओं के दल द्वारा जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा बिखेरने वाला समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में संगीतिका संगीत महाविद्यालय के दल द्वारा मध्यप्रदेश गान एवं सेंट ऐन्स स्कूल के छात्र अगस्त गुप्ता द्वारा देशभक्ति एवं एकता पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। सभी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर तथा मंत्रमुग्ध कर दिया । राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने लोकतंत्र / स्वतंत्रता सेनानी के परिजन श्रीमती कस्तूरी बाई तथा सीता बाई का शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग, जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, खाद्य एवं प्रसंस्करण, उद्यानिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, शिक्षा तथा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत द्वारा स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। विधायक श्री सुदेश राय, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेन्द्र मेवाड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस विकास राठौर, सीहोर जनपद अध्यक्ष श्रीमती नावड़ी बाई, कलेक्टर श्री बालागुरू के, एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना सिंह, डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल, अपर कलेक्टर श्री वृन्दावन सिंह, एएसपी श्रीमती सुनीता रावत, सन्नी गौरव महाजन, सुदीप

न्यूज गैलरी

खेल हमें अनुशासन और एकता की सीख देते हैं- प्रभारी मंत्री पंवार

मण्डीदीप में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय नेटवाल/बाल बेडमिंटन खेल प्रतियोगिता-2025 का शुभारंभ

रायसेन/नवप्रदेश। रायसेन जिले में मण्डीदीप स्थित चावरा विद्या भवन में आयोजित कार्यक्रम में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय नेटवाल/बाल बेडमिंटन खेल प्रतियोगिता-2025 का मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा द्वारा शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि खेलकूद से हमारा शरीर स्वस्थ्य रहता है, मानसिक और शारीरिक विकास तेजी से होता है। युवाओं के प्रेरक स्वामी विवेकानंद जी ने जीवन में खेल को अनिवार्य बताया है। खेल के माध्यम से अपने शरीर को स्वस्थ्य रखने के साथ ही अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर भी मिलता है।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि खेल हमें अनुशासन और एकता की सीख देते हैं। खेल भावना से खेला गया हर खेल सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। हमारे यहां प्रतिभाशाली खिलायियों की कमी नहीं है, जरूरत है तो उन्हें सही दिशा और अवसर देने की। उन्होंने कहा कि खेल सिर्फ जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि यह युवाओं को संघर्ष, संयम और समर्पण की भावना सिखाता है। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि हमारे प्रशिक्षक बच्चों की प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारते हैं और यही बच्चे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रौशन करेंगे। राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलायियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नए-नए खेल मैदानों के निर्माणों के साथ ही खिलायियों को छात्रवृत्ति, निःशुल्क प्रशिक्षण सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि हमें पारम्परिक खेलों को भूलना नहीं है, जो मूल खेल हैं उन्हें आगे बढ़ाना है। सांसद खेल प्रतियोगिता में पारम्परिक खेलों को आगे बाया जा रहा है। विदिशा संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मण्डीदीप, औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विख्यात है। हमारा प्रयास है कि मण्डीदीप, औद्योगिक क्षेत्र के साथ ही खिलायियों के लिए भी प्रसिद्ध हो, यहां के खिलाी देश-प्रदेश में मण्डीदीप का, जिले का नाम रौशन करें। उन्होंने सभी को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी दीं।

कार्यक्रम में भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि आज यहां पांच दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हो रहा है जिसमें सागर, उज्जैन, रीवा, नर्मदापुरम आदि संभागों से खिलाी यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि मण्डीदीप तथा औबेदुल्लागंज क्षेत्र के हॉकी और बेसवाल खेल के खिलाी नेशनल और इंटरनेशनल लेवल तक जा रहे हैं। अभी मण्डीदीप से 40 हॉकी खिलाी प्रतियोगिता के लिए गए थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 के पहले प्रदेश सरकार का खेल बजट 70 करो रू के आसपास होता था लेकिन आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में खेल विभाग का बजट 671 करो रू का है। विधायक श्री पटवा ने कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ-साथ खेल भी जरूरी है। जीवन के हर पल में चाहे खेल हो या शिक्षा, सकारात्मक सोच हमेशा आवश्यक है।

एमपी के तीन जिलों में होगा जनगणना का प्री टेस्ट

रतलाम, ग्वालियर और सिवनी जिलों में फील्ड की चुनौतियां जानने घर-घर पहुंचेंगे कर्मचारी

भोपाल/नवप्रदेश। केंद्र सरकार के आदेश पर एमपी के तीन जिलों में जनगणना का प्री टेस्ट होगा। इसमें सघन आबादी, वन क्षेत्र और आदिवासी इलाके वाले जिलों का चयन किया गया है। मध्यप्रदेश में इसके लिए ग्वालियर, रतलाम और सिवनी जिलों का चयन किया गया है। यहां 10 नवम्बर से 30 नवम्बर के बीच जनगणना और हाउस गणना का प्री टेस्ट किया जाएगा। इस प्री टेस्ट गणना के दौरान फील्ड में आने वाली चुनौतियों की रिपोर्ट प्रदेश का जनगणना निदेशालय तैयार करेगा। फिर इसकी रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी जाएगी। मंत्रालय इस आधार पर फाइनल जनगणना शीट तैयार करेगा।

प्रदेश के गृह विभाग ने इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उधर जिन जिलों में जनगणना का प्री टेस्ट होना है, वहां के कलेक्टरों ने प्रशासनिक व्यवस्था के साथ जनगणना की ट्रेनिंग देने और पहली बार होने जा रही डिजिटल जनगणना में लोगों को सहयोग करने के लिए कहा है।

साथ ही आश्वस्त किया है कि जो भी जानकारी नागरिकों द्वारा दी जाएगी, उसे पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। रतलाम कलेक्टर ने तो इसके लिए सोशल मीडिया के जरिए भी प्रचार प्रसार शुरू किया है।

रतलाम के 45 गांवों में होगा प्री जनगणना टेस्ट

रतलाम कलेक्टर मिशा सिंह ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा है कि जनगणना दुनिया के ब? प्रशासनिक कार्यों में शामिल है। देश में प्रथम डिजिटल जनगणना की तैयारी हो रही है। अप्रैल से सितम्बर 2026 के बीच मकानों की गणना की जाएगी। दूसरा चरण 2027 में होगा।

रतलाम ग्रामीण इलाके के 45 गांवों में मकान सूचीकरण का कार्य मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। इसे वास्तविक जनगणना की तरह ही होता है। 10 से 30 नवम्बर तक यह काम होगा। कलेक्टर सिंह ने कहा है कि तहसीलदार ग्रामीण द्वारा जारी पहचान पत्र प्रगणक के पास होगा। प्रगणक को सही जानकारी देना अनिवार्य और बाध्यकारी है। प्री टेस्ट को सफल बनाने में सभी का सहयोग चाहिए।

प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव 31 दिसंबर के बाद नहीं

भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त ने राज्य सरकार को पत्र भेजा है। पत्र में लिखा है कि प्रदेश में प्रशासनिक सीमाओं में जो भी बदलाव करना है, वह 31 दिसंबर 2025 तक पूरा करना होगा। 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2027 तक सीमाएं फ्रीज रहेंगी और इस दौरान कोई भी बदलाव मान्य नहीं होगा।

चार विभागों को निर्देश दे चुकी है राज्य सरकार

जनगणना आयुक्त के पत्र के बाद प्रदेश के गृह विभाग ने प्रशासनिक सीमाओं के बदलाव को लेकर चार विभागों को पहले ही पत्र लिखा चुका है। इसमें नगरीय विकास एवं आवास, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और राजस्व विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे तय समय सीमा में बदलाव की प्रक्रिया पूरी करें। दरअसल, सीमाओं में बदलाव की कार्रवाई इन्हीं विभागों से जुड़ी होती है। यह काम शहरी, ग्रामीण, वन और राजस्व क्षेत्रों में होता है। गृह विभाग ने इसके लिए संबंधित विभागों को पत्र भेजने के साथ जनगणना आयुक्त को भी जानकारी दे दी है।

खुशियों की दास्तां - महेंद्र वशिष्ठ के पक्के घर का सपना हुआ साकार

सीहोर/नवप्रदेश। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के लिए कल्याण के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना भी उन्हीं योजनाओं में से एक है। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर पात्र हितग्राहियों को मकान बनाने के लिए सरकार द्वारा सहायता राशि दी जाती है।

अपने सिर पर एक पक्की छत होना हर व्यक्ति का सपना होता है। स्वयं का पक्का मकान, जहां वह अपने परिजनों के साथ एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सके। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए पूरी जिन्दगी भर की पूंजी लगाने पर भी पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पाता। प्रधानमंत्री आवास योजना ऐसे ही लोगों के अपने घर के सपने को साकार कर रही है। सीहोर के अन्नपूर्णा कॉलोनी निवासी श्री महेंद्र वशिष्ठ ने सपने में भी नहीं सोचा था कि उनका अपना पक्का मकान होगा। श्री महेंद्र वशिष्ठ कहते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके पक्के घर के सपने को साकार किया है। महेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि कच्चे घर में बारिश के मौसम में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पढता था। बारिश के दौरान कई रातें हमें जागकर बितानी पढ़ती थी, कई बार जहरीले जीवों के घर में आने का डर बना रहता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें इन सब परेशानियों एवं चिंताओं से मुक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली और सरकार से मिली आर्थिक सहायता और अपनी थोड़ी बचत जोड़कर उन्होंने अपने सपनों का घर बनाना शुरू किया। कुछ महीनों बाद घर बनकर तैयार हो गया। आज उनका परिवार एक सुंदर, पक्के घर में रह रहा है और उनकी पत्नी और बच्चे अब सुरक्षित और आरामदायक माहौल में रह रहे हैं। श्री महेंद्र कहते है कि मुझे पक्के घर का मालिक बनने पर गर्व होता है। श्री महेंद्र वशिष्ठ ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया हैं।

मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस का आयोजन हुआ

विदिशा - मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस समारोह के तहत आज विदिशा जिला मुख्यालय पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने ध्वजारोहण कर उपलब्धियों पर आधारित जानकारियां संदेश वाचन के माध्यम से अभिव्यक्त की है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने भी अतिथि के साथ-साथ तिरंगे झंडे को सलामी दी है। पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत राष्ट्रीय गान और मध्यप्रदेश गान से हुई इस अवसर पर ओलम्पस हाई स्कूल, शासकीय कन्या एमएलबी, ट्रिनीटी कान्वेंट के स्कूली विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् से हुआ।

उत्पादकों का अवलोकन

पुलिस परेड ग्राउंड परिसर में आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादन समाग्रियों तथा कृषि विभाग, उद्योग और उद्यानिकी विभाग की योजनाओं को रेखांकित करने वाले उत्पादो का प्रदर्शन किया गया था। जिसे अतिथियों सहित अन्य के द्वारा खूब सराहा गया है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, विदिशा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, विदिशा जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनो?िया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चैबे के साथ-साथ अन्य विभागो के अधिकारी, गणमान्य नागरिक, मीडियाकर्मी मौजूद रहें।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कन्या महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का गरिमामय आयोजन

विदिशा/नवप्रदेश। राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा में आज मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। महाविद्यालय भवन को आकर्षक रोशनी से सजाया गया तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स की परेड से हुई, जिन्होंने प्राचार्य डॉ बी.डी. अहिरवार को सैल्यूट किया। तत्पश्चात प्राचार्य ने प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को राज्य एवं राष्ट्रहित की शपथ दिलाई और सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत का गायन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आरंभ मध्यप्रदेश

गान से हुआ, जिसके पश्चात छात्राओं ने गीत और नृत्य प्रस्तुत कर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक छवि को जीवंत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुमन सोनी उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है, जहाँ विविधता में एकता की भावना रची-बसी है। प्राचार्य डॉ बी.डी. अहिरवार ने अपने वक्तव्य में प्रदेश के ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से जाति, धर्म और भाषा से ऊपर उठकर राज्य व राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना रखने का आह्वान किया।

पूर्व प्राचार्य डॉ नीता पांडेय ने छात्राओं से अन्य प्रदेशों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ एन.पी. अरोड़ा ने किया, संचालन डॉ विनिता प्रजापति ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ मुरारी नंदन मिश्र ने किया। कार्यक्रम में डॉ मलखान सिंह,डॉ संध्या जैन, प्रो नीता दीक्षित, प्रो किरण जैन, डॉ राजुला अलबर्ट, प्रो सुमन सोनी, डॉ रामू विश्वकर्मा, प्रो रवि रंजन, प्रो राम आशीष यादव सहित समस्त स्टाफ एवं छात्राओं की सक्रिय उपस्थिति रही।

अभ्युदय मध्यप्रदेश के रूप में हमारा प्रदेश समग्र विकास, सुशासन और जनसेवा की भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा

मध्यप्रदेश विकास के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है- स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल

स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति रायसेन स्थित वन परिसर में सम्पन्न हुआ मध्यप्रदेश का 70वां स्थापना दिवस कार्यक्रम

रायसेन/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश आज विकास के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। चाहे वह आधारभूत संरचना का सुदृ?ीकरण हो, जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो या आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निर्णायक कदम। यह विचार लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर वन परिसर रायसेन में आयोजित अभ्युदय मध्यप्रदेश कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्री पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर किया गया। स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने

अपने उद्बोधन में भोपाल विलीनीकरण आंदोलन को सफल बनाने वाले, बरेली में तिरंगा झण्डा फहराते हुए शहीद हुए स्वर्गीय रामप्रसाद अहिरवार तथा स्वर्गीय श्री युवराज सोनी और उदयपुरा के बौरास के नर्मदा तट पर अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले स्वर्गीय छोटेलालजी, स्वर्गीय धनसिंह जी, स्वर्गीय श्री मंगल सिंह, स्वर्गीय श्री विशाल सिंह जी की शहादत को नमन करते हुए श्रृद्धांजली दी। उन्होंने कहा कि बरेली और उदयपुरा के वीर शहीदों ने अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया लेकिन तिरंगा जमीन गिरने नहीं दिया। स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि आज ÷अभ्युदय मध्यप्रदेश÷ के रूप में हमारा प्रदेश समग्र विकास, सुशासन और जनसेवा की भावना के साथ निरंतर आगे ब? रहा है। यह दिन हमारे अतीत की उपलब्धियों का सम्मान और उज्ज्वल भविष्य की नई प्रतिज्ञा का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश जनकल्याण और विकास के साथ प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने परिवार की धुरी महिलाएं होती हैं। महिलाएं स्वस्थ्य रहेंगी तो परिवार स्वस्थ्य रहेगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान चलाया। इसी प्रकार समाज को सशक्त बनाने और सामाजिक समरसता के लिए भी काम किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित बच्चों से कहा कि सामाजिक समरता के लिए आगे ब?कर काम करें। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 402 , कौशल्या विहार , नेपियर टाउन , 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 (न्याय क्षेत्र जबलपुर) ।